राष्ट्रीय समाचार पत्र

हमारा मैट्रो

Login :- www.hamarametro.com
E:mail : hamarametro@gmail.com

वर्ष–4 अंक–60 मंगलवार 1 मई 2012

संक्षिप्त

132 अंक चढ़ कर बंद हुआ सेंसेक्स

मुंबई। बंबई शेयर बाजार में तेजी का सिल. सिला सोमवार को लगातार तीसरे दिन जारी रहा और रुपये में कमजोरी के बीच आईटी शेयरों में विदेशी संस्थागत निवेशकों की लिवाली से 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 132 अंक की बढ़त के साथ बंद हुआ।

पिछले दो सत्रों में 57 अंक चढ़ने वाला सेंसेक्स आज 131.47 अंक या 0.76 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,118.81 अंक पर पहुंचा गया। इंफोसिस व टाटा कं. सल्टेंसी सर्विसेज ख्टीसीएस, के शेयरों में अच्छी बढ़त देखी गई। इनके शेयरों में 2.75 से 3. 5 प्रतिशत की बढ़त रही।

इसी के अनुरूप नेशनल स्टाक एक्सचेंज का निफ्टी 39.15 अंक या 0.75 प्रतिशत की बढ़त के साथ 5,248.15 अंक पर पहुंच गया।

ब्रोकरों ने कहा कि रुपये के कमजोर पड़ने से आईटी शेयरों को फायदा हुआ। आईटी शेयरों के बूते ही बाजार में तेजी आई। उन्होंने कहा कि यूरोपीय बाजारों की बढ़त के साथ शुरुआत और स्पेन की अर्थव्यवस्था में अनुमान से कम की गिरावट से भी घरेलू बाजार में धारणा मजबूत हुई।

टीसीएस का शेयर जहां 3.5 प्रतिशत चढ़ा, वहीं जिंदल स्टील में 3.41 प्रतिशत, इंफोसिस में 2.75 प्रतिशत, डीएलएफ में 2.61 प्रतिशत, रिलायंस इंडस्ट्रीज में 0.72 प्रतिशत की तेजी आई।

संसदीय समिति ने सैन्य तैयारियों की खोली पोल

नई दिल्ली। सुरक्षा चुनौतियों से निपटने की पूरी तैयारी होने के रक्षा मंत्रालय के दावों की कलई खोलते हुए संसद की स्थाई समिति ने कहा कि हेलीकॉप्टरों से लेकर टैंकों के गोला–बारुद और तोपों तक के मामले में जो कमियां हैं वे खतरे की घंटी हैं। सेना प्रमुख जनरल वीके सिंह द्वारा प्रधानमंत्री मनमोहन को लिखे पत्र से इस बात खुलासा हुआ था कि सेना के पास टैंकों और तोपों के गोलों का भारी अकाल है। लेकिन रक्षा मंत्री एके एंटनी ने इस तरह की रिपोर्टों को महज अफवाह बताते हुए खारिज कर दिया था। लेकिन रक्षा मंत्रालय से संबद्ध स्थाई समिति ने संसद में पेश अपनी रिपोर्ट में कहा कि समिति इस बात से हैरान है कि देश में सेना के पास गोला–बारुद की कमी को किस तरह जारी रहने दिया गया।

समिति ने सिफारिश की है कि सेना की खरीदारियों से जुड़े मुद्दों का तुरंत समाधान किया जाए। समिति का कहना है कि खरीदारी प्रक्रियाओं को फास्ट ट्रैक पर डाला जाए और हथियारों एवं गोला–बारुद की खामी को बिना किसी देरी के पूरा किया जाए। समिति ने कहा कि तोपों की कमी भी सेना की तैयारियों को प्रभावित कर रही है क्योंकि बोफोर्स तोपों को उन्नत बनाने के काम में बहुत समय लग रहा है। समिति ने मंत्रालय की इस बात के लिए खिंचाई की कि तोपों की कमी को क्यों पूरा नहीं किया जा रहा है और स्थिति को जटिल होने दिया गया है।

टाट्रा ट्रकों की खरीदारी के मामले में घोटाले और एक अवकाश प्राप्त मेजर जनरल द्वारा सेना प्रमुख को रिश्वत की पेशकश किए जाने को देखते हुए रक्षा समिति ने सिफारिश की है ब्रिगेडियर और उससे ऊपर की रैंक के सैन्य अधिकारियों को अवकाश लेने के पांच साल तक निजी क्षेत्र में नौकरी लेने की छूट नहीं होनी चाहिए। पहले यह सीमा दो साल थी जिसे घटाकर एक साल कर दिया गया था। समिति ने कहा कि इस दिशा में तुरंत कदम उठाए जाएं और समिति को इसकी सूचना दी जाए।

मंत्रिमण्डल ने कोर्ट फीस दिल्ली संशोधन विधेयक–2011 को मंजूरी

दिल्ली। दिल्ली मंत्रिमण्डल ने कोर्ट फीस दिल्ली संशोधन विधेयक–2011 को आज मंजूरी दे दी और सब–वे के नीचे बनी, खाली पड़ी 93 और रिहायशी कॉलोनियों में 13 दुकानों को फ्री होल्ड आधार पर नीलाम करने का फैसला लिया। दिल्ली की मुख्यमंत्री श्रीमती शीला दीक्षित की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की बैठक में आज ये निर्णय लिए गए।

मंत्रिमंडल की बैठक के बाद संवाददाताओं को जानकारी देते हुए श्रीमती दीक्षित ने कहा कि कोर्ट फीस को तर्कसंगत बनाने और ई–कोर्ट फीस के जरिए संकलित करने के लिए पहले यह फैसला किया था कि कोर्ट फीस अधिनियम, 1870 की धारा 26 में संशोधन किया जाएगा। इस संशोधन का मकसद कोर्ट फीस के संकलन के लिए ई–स्टाम्पिंग को साधन मानना था। इसके अलावा कोर्ट फीस में संशोधन के लिए अधिनियम की अनुसूची–1 और 2 में भी संशोधन करने का फैसला किया गया था इसलिए दिल्ली सरकार ने एक विधेयक तैयार किया जिसे केन्द्रीय गृह मंत्रालय और केन्द्रीय विधि मंत्रालय से अनुमति मिल गई है। दिल्ली में 1958 से कोर्ट फीस में कोई संशोधन नहीं किया गया था जबकि हर प्रकार की फीस और शुल्क में संशोधन किया गया है। माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय की एक समिति ने दिल्ली सरकार से उच्च न्यायालय में ई–कोर्ट फी शुरू करने को कहा।

इसके अलावा 40 पैसे, 25 पैसे और 50 पैसे मूल्य की कोर्ट फीस अब नहीं चलती इसलिए भी कोर्ट फीस में संशोधन जरूरी हो गया था। इस संशोधन से सरकार के राजस्व में बढ़ोतरी होगी। श्रीमती दीक्षित ने यह भी कहा कि मंत्रिमण्डल ने सब–वे के नीचे पीडबल्यूडी विभाग द्वारा बनाई गई 93 दुकानों और रियाहशी एरिया में 13 दुकानों को फ्री होल्ड आधार पर नीलाम करने का फैसला किया है। ये दुकानें खाली पड़ी हैं।

नीलामी के जरिए आंवटन पारदर्शी होगा। सब–वे के नीचे की दुकानें प्रमुख वाणिज्यिक इलाकों में हैं जैसे कि साउथ एक्स., लाजपत नगर, हयात होटल आदि। इन दुकानों का व्यापारिक इस्तेमाल ही किया जा सकता है। नीलामी करने से सरकार को करोड़ों रूपए का राजस्व मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन दुकानों को फ्री होल्ड आधार पर नीलाम किए जाने का निर्णय सही है।

सब–वे के नीचे साउथ एक्स., एम्स, सफदरजंग अस्पताल, हयात होटल, सब्जी मण्डी आजादपुर, मुनीरका मार्केट, सरस्वती विहार, नेहरू नगर, स्वामी नगर, भीकाजी कामा प्लेस, लाजपत नगर, डिफेंस कॉलोनी, एन्ड्रयूज गंज केन्द्रीय विद्यालय के निकट सब–वे में दुक. ानें हैं।

नहीं रहीं बॉलीवुड की जोहरा जबी अचला सचदेव

गुजरे जमाने की मशहूर अदाकारा अचला सचदेव का निधन हो गया। लंबी बीमारी के कारण पुणे के एक हॉस्पिटल ने उन्होंने आखिरी सांस लीं। वह 88 वर्ष की थीं। वह लंबे अरसे से बीमार चल रही थीं। उन्होंने फिल्म वक्त के बेहद लोकप्रिय गीत ऐ मेरी जोहरा जबी में अभिनय किया था। पिछले सात महीनों से पुणे के अस्पताल में उनका इलाज चल रहा था।

पेशावर में जन्मी अचला ने करीब 250 फिल्मों में काम किया। उन्होंने अपने अभिनय कैरियर की शुरूआत फिल्म फैशनेबल वाइफश से की। उनकी सबसे यादगार भूमिका बलराज साहनी के साथ फिल्म वक्त में थी।

उन्होंने फिल्मप्रेम पुजारी, मेरा नाम जोकरश, श्हरे रामा हरे कृष्णा और अंदाज में भी काम किया था। अचला ने फिल्म वक्त, चांदनी और दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे, कभी खुशी कभी गम, ना तुम जानो ना हम सहित कुछ और यादगार फिल्मों में भी दी हैं।

शादी के दूसरे ही दिन दुल्हन बनीं मां, हुआ बवाल

इस खबर को पढ़कर आप भी चकरायेंगे। यह खबर एकदम सही है और भोपाल की है। जहां फेरों के बाद दुल्हन ससुराल भी नहीं पहुंची थी कि बीच रास्ते में उसने एक शिशु को जन्म दे दिया। घटना भोपाल के कचनार थाने के अंतर्गत आने वाले मह. आलमपुर चकपुरा गाँव की है यहाँ गाँव के एक परिवार में 28अप्रैल पास के ही गाँव से बरात आई थी बरात के आगमन पर तमाम रीती रिवाजों से विवाह कार्य संपन्न हुआ और दुल्हन विदा हो गयी। बारात अभी मह. आलमपुर से कुछ दूर पहुंची ही थी कि दुल्हन के पेट में अचानक तेज दर्द हुआ कोई कुछ समझ पता इससे पहले ही दुल्हन ने बच्ची को जन्म दे दिया आपको बताते चलें कि ये प्रसव बारात से भरी ट्राली में ही हुआ। ट्राली में हुए इस प्रसव से मौके पर एक बड़ी ही आजीब स्थिति उत्पन्न हो गयी।

ट्राली पर उपस्थित म. हलाओं ने जब दुल्हन से इस बच्ची के पिता के बारे में पूछा तो दुल्हन ने जानकारी देते हुए बताया कि ये बच्ची उसकी बहन के देवर की है, जिससे वो प्रेम करती थी और कई बार उनके शारीरिक सम्बन्ध बन चुके थे।

मामले को गंभीरता से लेते हुए उपस्थित लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी जो फिलहाल मामले कि जांच में जुट गयी है।

गौरतलब है कि इस पूरी घटना में दूल्हा पक्ष के लोगों द्वारा असीम संवेदनहीनता का परिचय दिया गया। जहां दुल्हे और उसके परिजनों ने दुल्हन की मदद करने के बजाय उसके सारे जेवर और चढ़ावे का सारा सामान अपने कब्जे में ले लिया और दुल्हन को बच्ची संग सुनसान रस्ते में छोड़ दिया।

यही नहीं दूल्हा पक्ष की और से थाने में दी गयी तहरीर में कहा कहा गया है की ससुराल पक्ष ने जान बूझ के सारी हकीकत को छुपाया और उनको धोखे में रखा। बहरहाल इलाके की पुलिस बड़ी ही अजीब स्थिति में फँस चुकी है उनके पास अब तक इस प्रकार का पहला मामला सामने आया है।

नुपुर का नया पता बैरक नं 13 डासना जेल

नाम– नुपुर तलवार पता– बैरक नं 13 डासना जेल, गाजियाबाद जी हां आरूषि तलवार मर्डर केस में सह आरोपी और आरूषि की मां नुपुर तलवार का अब यही पता है। यह पता फिलहाल कल दोपहर तक तो है ही क्योंकि उनके जमानत पर फैसला कल ही होना है। अगर कल जमानत हो जाती है तो कोई बात नहीं अगर नहीं होती है आगामी 14 दिनों तक नुपुर तलवार यहीं रहने वाली है।

आरूषि और हेमराज मर्डर केस में सीबीआई कोर्ट की तरफ से जमानत खारिज करने के बाद नुपुर के वकील ने सेशंस कोर्ट में अपील की थी। जैसा की पहले ही कयाश लगाया जा रहा था कि वहां भी नुपुर को राहत नहीं मिलेगी वैसा ही हुआ। सेशंस कोर्ट ने नुपुर तलवार की जमानत यह कह कर टाल दी की एडीजे कोर्ट जायें। तो अब इस मामले में फैसला कल ही आ सकता है तो लिहाजा नुपुर को आज की रात जेल में ही बितानी होगी।

नुपुर डासना जेल की बैरक नंबर 13 में रहेंगी। यह वही जेल है जहां वर्ष 2008 में नुपुर के पति राजेश तलवार को भेजा गया था।

आपको बताते चलें कि इससे पहले आज करीब साढ़े दस बजे नूपुर तलवार ने गाजियाबाद कोर्ट में सरेंडर किया, जिसके बाद सीबीआई ने उन्हें हिरासत में ले लिया। हिरासत के बाद नूपुर ने जमानत की अर्जी दी, जिसे कोर्ट ने ख़ारिज कर दिया। इसके बाद नूपुर ने सेशंस कोर्ट में अर्जी दायर की, जहां से भी उनको जमानत नहीं मिली।

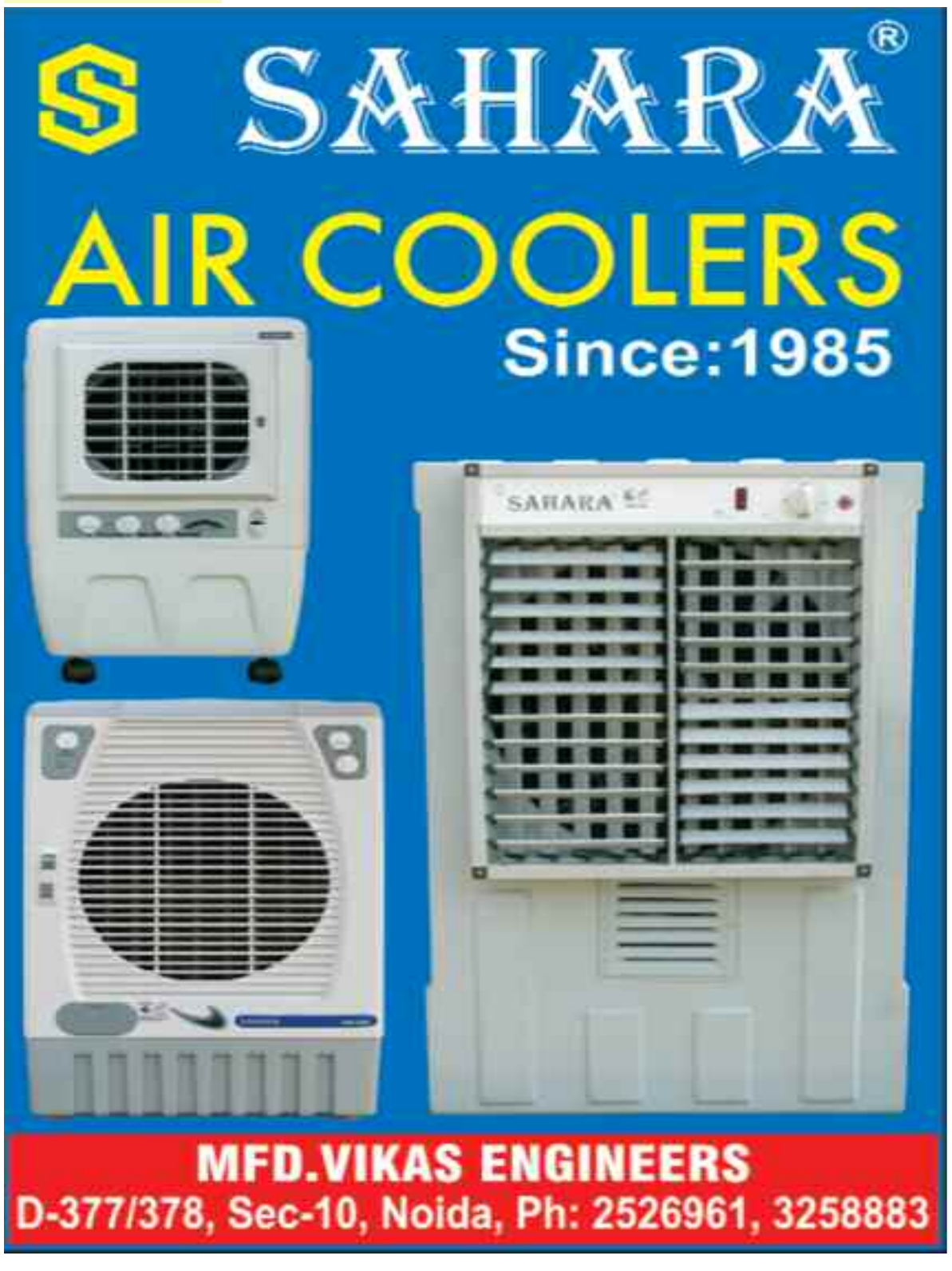

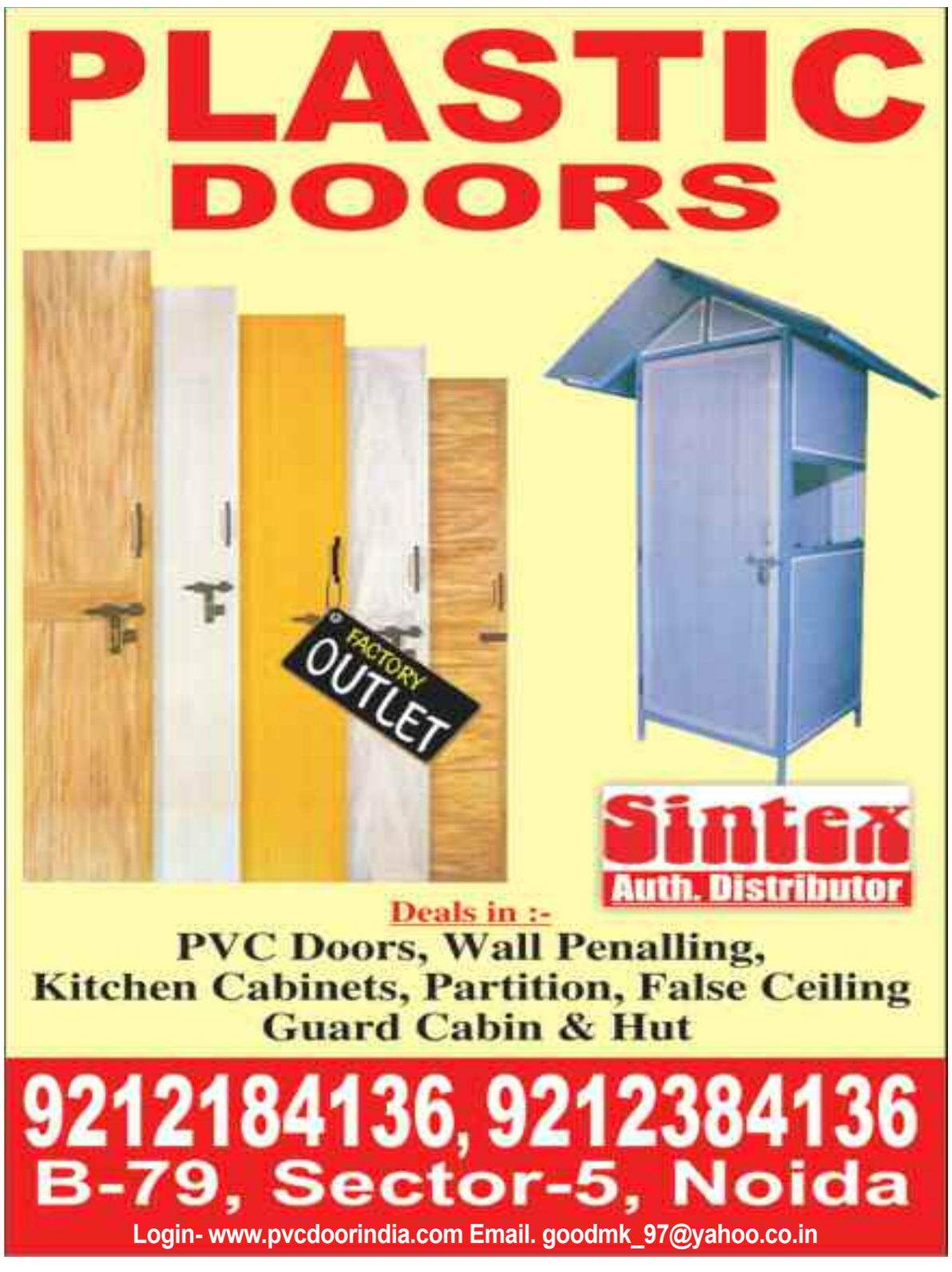

हरियाणा को योजना आयोग से 26,485 करोड़ की राशि स्वीकृति

–8199 करोड़ रूपये के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, आवास जैसी सामाजिक सेवाओं में सुधार को सर्वोच्च प्राथमिकता –सिंचाई, बिजली, सड़कों और सड़क परिवहन के बुनियादी ढांचे में सुधार के लिये 3683 करोड़ रूपये –कृषि और सम्बद्ध गतिविधियों तथा ग्रामीण विकास के लिये 950 करोड़ रूपये निर्धारित –मेवात और शिवालिक के पिछड़े क्षेत्रों के विकास के लिये 33 करोड़ रूपये

नई दिल्ली। योजना आयोग ने वित्त वर्ष 2012–13 के लिये हरियाणा के लिये 26,485 करोड़ रूपये की योजना राशि की स्वीकृति दी है। यह राशि वर्ष 2011–12 की वार्षिक योजना राशि 20,358 करोड़ रूपये से 30 प्रतिशत अधिक है। योजना आयोग के उपाध्यक्ष मा. टेक सिंह आहलुवालिया और हरियाणा के मुख्यमंत्री भूपेन्द्र सिंह हुड्डा के बीच आज नई दिल्ली में हुई बैठक में योजना राशि को अन्तिम रूप दिया गया। बैठक में केन्द्रीय योजना राज्य मंत्री डा. अश्वनी कुमार, हरियाणा के मुख्य सचिव पी.के चौधरी, हरियाणा के मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव डा. के. के. खण्डेलवाल, वित्त और योजना के प्रधान सचिव अजित मोहन शरण और योजना आयोग तथा राज्य सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने बैठक में भाग लिया। इस योजना राशि में 14,500 करोड़ रूपये राज्य बजट के लिये, 9950 करोड़ रूपये राज्य के सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के लिये और 2035 करोड़ रूपये स्थानीय निकायों के लिये हैं। योजना की राशि उनके अपने ही साधनों से जुटाई जानी है।

श्री हुड्डा ने बैठक में बताया कि 11वीं पंचवर्षीय योजना के दौरान प्रदेश की अर्थव्यवस्था की औसत विकास दर 9.1 प्रतिशत रही, जो राष्ट्रीय औसत 7.9 प्रतिशत से अधिक है। पिछले वर्ष के मुद्रास्फीति दबाव और आर्थिक मंदी के बाबजूद राज्य सरकार ने आवश्यक राजस्व जुटाया और वित्तीय घाटे पर नियंत्रण रखा। हुड्डा ने कहा कि राज्य में बेहतर वित्तीय प्रबन्धन और विकासमुखी नीतियों को अपनाया गया। बारहवीं योजना के बारे में हरियाणा सरकार के दृष्टिकोण के बारे हुड्डा ने कहा कि कृ षि के आधुनिकीकरण और विविधीकरण पर जोर दिया जाएगा। उन्होंने कृषि उपज के लिये उचित रूप से न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित किये जाने की भी बात कही।

वर्ष 2004–05 में राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि और सम्बद्ध क्षेत्र का हिस्सा 23.1 प्रतिशत था, जबकि उद्योग

क्षेत्र का 32.9 प्रतिशत और सेवा क्षेत्र का 44 प्रतिशत था। वर्ष 2011–12 में राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में सेवा क्षेत्र का हिस्सा बढ़ कर 54.6 प्रतिशत हो गया, जबकि कृषि और सम्बद्ध क्षेत्र का हिस्सा घट कर 16.3 प्रतिशत रह गया। राज्य की योजना राशि 14,500 करोड़ रूपये में सर्वोच्च प्राथमिकता सामाजिक सेवाओं में सुधार को दी गई है। इस राशि में से 56. 54 प्रतिशत यानि लगभग 8199 करोड़ रूपये की राशि शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल आपूर्ति और स्वच्छता, शहरी विकास, आवास और वृद्धों, विकलांगो, विधवाओं और निराश्रितों को पेन्शन के जरिये सामाजिक न्याय को बढ़ावा देने सहित सामाजिक सेवाओं में सुधार के लिये रखी गई है। पेन्शनों के लिये 1684 करोड़ रूपये, तकनीकी और व्यावसायिक शिक्षा सहित शिक्षा क्षेत्र के लिये 2965 करोड़ रूपये और स्वास्थ्य सेवाओं तथा चिकित्सा शिक्षा के लिये 566.55 करोड़ रूपये आवंटित किये गये हैं। पेयजल आपूर्ति और सीवरेज योजनाओं के लिये 780 करोड़ रूपये रखे गये है, जबकि आवास और शहरी विकास के लिये लगभग 1256 करोड़ रूपये की राशि आवंटित की गई है। इसके बाद दूसरे स्थान पर सिंचाई, बिजली, सड़कों, और सड़क परिवहन के क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे के विकास को उच्च प्राथमिकता दी गई है। इन क्षेत्रों के लिये 3682.62 करोड़ रूपये रखे गये हैं, जो बजट योजना राशि का 25.39 प्रतिशत है। इस राशि में से सिंचाई क्षेत्र के लिये 860 करोड़ रूपये, बिजली क्षेत्र के लिये 1356.68 करोड़ रूपये तथा सड़कों और सड़क परिवहन के लिये 1465.94 करोड़ रूपये की राशि आवंटित की गई है। विशेष आर्थिक प्रोत्साहन पैकेज के लिये 473 करोड़ रूपये की राशि रखी गई है। कृषि और सम्बद्ध गतिविधियों तथा ग्रामीण विकास के लिये 950.08 करोड़ रूपये रखे गये हैं। मेवात और शिवालिक के अत्यंत पिछड़े दो क्षेत्रों के विकास के लिये 33 करोड़ रूपये की राशि निर्धारित की गई है। राज्य की कुल योजना राशि में से 2843.34 करोड़ रूपये की राशि अनुसूचित जाति उप–योजना के लिये रखी गई है। यह राशि राज्य की कुल योजना राशि के 19.61 प्रतिशत के बराबर है, जबकि राज्य में अनुसूचित जातियों की जनसंख्या का अनुपात 19.35 प्रतिशत है।

बाद में संवादाताओं से बातचीत में योजना आयोग के उपाध्यक्ष आहलुवालिया ने हरियाणा के आर्थिक विकास और वित्तीय प्रबन्धन की सराहना की। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने योजना राशि का अच्छी तरह उपयोग किया है। सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, बुनियादी ढांचे और सामाजिक सेवा क्षेत्र सहित विभिन्न क्षेत्रों पर पर्याप्त ध्यान दे रही है। मुख्यमंत्री हुड्डा ने कहा कि अगले वित्त वर्ष 2012–13 के लिये पिछले साल के मुकाबले 30 प्रतिशत अधिक योजना राशि मिली है।

ब्राह्मण समाज एक हो यह समय की पुकार :घैसास गुरुजी

नई दिल्ली। जातीय दंगल होणे के बावजुद हमारे देश के एक समाज ने केवलं समाज संघटन के बलबुते पर अपने समाज के लोगों के लिए १४०० करोड रुपयो की मदत हासील की तो दुसरी और ब्राह्मण समाज एक जुट न होने के कारण १९४८ के दंगल के बाद हुए अत्याचार से इस समाज को दुख झेलणा पडा इस बात हमे आज भी मलाल है अपितु अभी भी इस समाज ने अपने अस्तित्व की साक बचाने के लिए संघटीत होणा यह वर्तमान समय की पुकार है ऐसा आवाहन रविवार को अखिल भारतीय बहुभाषि ब्राह्मण महाकुंभाचे अध्यक्ष वेदाचार्य मोरेश्वर घैसास गुरुजी ने किया.)

अखिल भारतीय बहुभाषीय ब्राह्मण महासंघ नई दिल्ली तथा परशुराम सर्व भाषीय ब्राह्मण महासंघ नागपूर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित बहुभाषी ब्राह्मण महाकुंभ के समापन समारोह में यहा ऐतिहासिक रामलीलामैदान पर वह रहे थे . इस संमेलन में सहभाग लेने हेतु भारत के विभिन्न क्षेत्र से ब्राह्मण समाज के प्रतिनिधी उपस्थित हुए थे . समापन कार्यक्र में झारखंड के पूर्व विधायक वीरेंद्र पांडे ,चंद्र प्रकाश वाजपेयी, ब्राह्मण महासंघ के राष्ट्रीय महामंत्री त्रिलोकीनाथ सिधरा ,आर्थिक सलाहकार संजय ब्रह्मे , कार्याध्यक्ष सुरेश त्रिपाठी , उपाध्यक्ष दिनानाथ दस्तुरे आदी मान्यवर उपस्थित थे. घैसास गुरुजी ने अपने भाषण में कहा की, भारत देश को स्वातंर्त्य मिलने के पश्चात सन १९४८ को महात्मा गांधी की हत्या के बाद ब्राहमण व्यक्तीने यह हत्या करणे के विरोध में महाराष्ट्र में ब्राहमण समाज पर हमले हुए तथा इस की बडी किमत इस समाज को भूगतनी पडी . इस समाज को हुए इस नुकसान की मुख्य वजह इस समाज का संघटीत न हाना ही राही है. बिना संघट के कारणही इस समाज को अत्याचार स्वीकारणे पडे।

इस से यह अर्थ न निकाला जाए की हम महात्मा गांधी की हत्या का समर्थन करते है ऐसा भी उन्होने कहा .लेकीन इस घटना के कारण महाराष्ट्र में मुख्य रूप से पच्छिम महाराष्ट्र में निष्पाप ब्रह्मणो को अत्याचार सहना पडा ऐसा भी उन्होने कहा . यादी यह समाज उस समय संघटीत होता तो याह नौबत न आती ऐसा भी उन्हा.)ने कहा .इसी भारत देश में सन १९८४ को हुए दंगो के बाद एक समाज संघटीत होकार उन्होने अपने समाज के लोगो को सरकार से आर्थिक मदत हासील की यह ध्यान में राखते हुए ब्राह्मण समाज ने एकजूट हो.कार काम करणे की वर्तमान समय की पुकार होने की बात भी घैसास गुरुजी ने की समय की पुकार जाणकार ब्राह्मनोने एकजुट होने का आवाहन उन्होने किया अगला अखिल भारतीय बहुभाषी ब्राह्मण महाकुंभ छत्तीसगड की राजधानी राची में होगा यह घोषणा भी उन्होने की।.

निमसन ने बाजार में उतारा समर रेंज

दिल्ली। निमसन इंटरनेंशनल ने बाजार में एक खास तरह का समर रेंज उतारा है, जो कि आपकी त्वचा की

सारी जरूरतों को घ्यान में रखकर तैयार किया गया है। निमसन समर रेंज मे आठ उत्पादों को पेश किया गया है, जैसे दिव्यरतन कूल टैल्क यह आपकी त्वचा को ठंडक का एहसास कराएगा, और गर्मी से होने वाले रैशेस से बचाव करेगा निमसन फ्रेश शैंपू, जो कि हर्बस से तैयार किया गया है यह आपके बालों में होने वाले रूखेपन से बचाव करने के साथ ही आपके बालों को मजबूती प्रदान करता है। खासतौर पर तैयार किया गया निमसन आ.)वला गोल्ड हेयर ऑयल जो कि आपके बालों को मजबूती देता है और इन्हें टूटने से बचाता है। टर्मरिक गोल्ड एवम् सैफ्रन गोल्ड फेयरनेस क्रीम आपकी त्वचा को गोरा और सोने जैसी चमक प्रदान करेगा इतना ही नही इन सभी उत्पादों के साथ हेयर रिम.)वल क्रीम जो कि बायो एक्टिव बूटी तत्व से तैयार की गयी है, इसके अलावा इसके द्वारा तैयार किया गया "लिप बॉम" गर्मियों में होंठ फटने की समस्या को दूर करता है, और होंठो को कोमल और चमकदार बनाए रखता है।

इस समर रेंज को लॉच करते हुए निमसन इंटरनेशनल के वाइस प्रेसीडेंट श्री ओ. पी. रहेजा ने गर्व के साथ बताया कि "हमारी हमेशा यही कोशिश रही है कि किफायती दामो मे उपभोक्ता (कन्ज्यूमर/मासेस) तक अच्छी से अच्छी क्वालिटी के प्रॉडक्ट पहुचाना।

हमारा लेटेस्ट लॉच आपकी त्वचा की सारी जरूरतों को घ्यान में रखकर तैयार किया गया है।

पाकिस्तानी गायिका सनम मारवी ने भक्ति संगीत समारोह के अंतिम दिन सूफी संगीत द्वारा मंत्रमुग्ध किया

— मुख्यमंत्री शीला दीक्षित भी तीन दिवसीय समारोह के मोहित श्रोताओं में शामिल

नई दिल्ली। तीन दिन चला धार्मिक संगीत समारोह ''भक्ति संगीत'' आज चरम पर पहुंच गया जब पाकिस्तानी सूफी गायिका सनम मारवी ने श्रोताओं के विशाल समूह को मोहित कर लिया जिनमें दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित भी शामिल थीं। अंतिम दिन एक नया रंग दिखा जिसमें साइलेंस और सोल बैंड द्वारा भक्ति के साथ बौद्धिस्ट चौंट और सीतानाथ बिस्वास ने कबीर के भजन पेश किए।

इस रुहानी प्रस्तुति ने श्रो.)ताओं को अपने जादू में बांध लिया। भारत के विख्यात धार्मिक गायकों ने मुग्ध कर देने वाले मंत्रों, आत्मिक भावों को जगाने वाला गायन, और अलौकिक गीत पेश किए। साहित्य कला परिषद व कला और संस्कृति विभाग, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार द्वारा आयोजित यह तीन दिवसीय संगीत समारोह 27 अप्रैल से शुरू हुआ था।

इस समारोह ने हर आयुवर्ग और धर्म के लोगों को आकर्षित किया इसकी शुरूआत में अस्तित्व बैंड के दो मुस्लिम सहयोगियों ने मो. हित कर देने वाली वैदिक संस्कृत कम्पोजिशन गा कर हमारे समाज की गहरी जड़ें जमाए हुई धार्मिक समानता का प्रदर्शन किया।

दिल्ली का बैंड साइलेंस ऑफ सोल आध्यात्मिक ज्ञान का सच्चा संवाहक है। इनका ध्येय है लोगों को आध्यामिक मार्ग खोजने और उस पर चलने में मदद करना जिससे उन्हें सुख, आशा, स्पष्टता, शक्ति, और खुशी मिले। इसके लिए वो लोगों को प्रेरणादायक धार्मिक साधन उपलब्ध कराते हैंय उन्हें दुनियाभर के बेहतरीन आध्यात्मिक गुरूओं और पुरो.हितों से मिलने की राह सुझाते हैं। कुल मिला कर, वे व्याख्यानों द्वारा लोगों की विचार शक्ति जाग्रत कर सहयोगी संस्थानों से जोड़ते हैं। यह स्वतंत्र संस्था है जिसका एकल एजेंडा लोगों की आध्यात्मिक आवश्यकताओं को पूरा करना है। वहीं पाकिस्तानी गायिका, सनम मारवी सूफी गायक फकीर गुलाम रसूल की पुत्री, सिंधी लोक संगीत और सूफी गायिका हैं।

इनकी कोक स्टूडियो, एक टेलिविजन सीरीज जिसमें लाइव म्यूजिक परफार्मेंस पेश की जाती हैं, में की गई प्रस्तुति के बाद यह काफी मशहूर हो गई। सनम ने सात साल की उम्र से प्रशिक्षण शुरू कर दिया था और इसके बाद ग्वालियर घराने के उस्ताद फतेह अली खान से भी प्रशिक्षण लिया। अब वे दुनिया भर में सूफी कॉन्सर्ट पेश करती हैं और इन्हें सूफी, गजल और लोक संगीत के क्षेत्र में सबसे बेहतरीन कलाकारों में गिना जाता है। विख्यात गायक सीतानाथ बिस्वास ने कबीर के भजन पेश किए। वातावरण इतना शांत और पवित्र पहले नहीं हुआ था।

तीन दिवसीय भक्ति संगीत के अंतिम दिन और सम्मानित गायकों की प्रस्तुति ने वातावरण में फैली आध्यात्मिक खूशबू को बहुत ऊंचे स्तर पर पहुंचा दिया।पहले दो दिनों में दिल्ली के बैंड अस्तित्व के साथ प्रसिद्ध क्रिया योगी श्री प्रभु स्वरूप जोशी द्वारा पा.रम्परिक वैदिक व्याख्यान, गायिका विद्या शाह, सुधा रघुनाथन. पंजाबी सूफी गायक हंस राज हंस, बंगाल की पार्वथी बाउल, गुलजार अहमद गनी और पं. छन्.नूलाल मिश्रा द्वारा प्रस्तुतियां की गईं। श्री केशव चन्द्र, सचिव, कला और संस्कृति विभाग ने कहा, ' हमें दिल्ल.)ीवासियों की इस उत्साही प्रतिक्रिया से बहुत खुशी है। इस तरह के आयोजन पेश कर के हमें बहुत प्रसन्नता होती है। मुझे आशा है कि इस तीन दिवसीय समारोह ने आस्था और विश्वास को और जागृत कर दिया होगा। मैं सभी कलाकारों, गायकों को धन्यवाद देना चाहूंगा जिन्होंने यहां एक साथ मिलकर सक.ारात्मक ऊर्जा का संचार किया।'

साहित्य कला परिषद के बारे मेंसाहित्य कला परिषद, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार का सांस्कृतिक विभाग है जिसकी स्थापना 1968 में दिल्ली में कला और संस्कृति के प्रचार के लिए हुई थी।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के सम्मानीय मुख्य मंत्री साहित्य कला परिषद के सभापति होते हैं। दिल्ली सरकार के सबसे सचेत डिपार्टमेंट होने के चलते सहित्य कला परिषद ने बीते तीन दशकों से अधिक के दौरान अपने कार्यक्रमों को पूरे जोश और समर्पण के साथ पूरा किया है।

परिषद, जहां एक ओर देश के पुरातन और अपने समय पर खरी उतरी परम्पराओं को तलाशती और आगे बढ़ाती है वहीं दूसरी ओर, यह नए और बदलते जमाने के साथ चलने वाले कला प्रदर्शन को प्रेरणा और मंच प्रदान करता है। परिषद की योजनाओं में, इसी के साथ, परम्पराओं की जड़ों को गहरा करने के साथ ही इसकी शाखाओं को जाती, मत, रंग और भौगोलिक बंधनों से दूर कर खुला आकाश प्रदान करना है।

डा. के.के. खंडेलवाल को सम्मान

भारतीय शिक्षा कांग्रेस–2012 ने हरियाणा के मुख्यमंत्री के अतिरिक्त प्रधान सचिव और सूचना, जनसंपर्क एवं सांस्कृतिक कार्य विभाग, हरियाणा के वित्तायुक्त एवं प्रधान सचिव डा. के.के. खंडेलवाल को वर्ष का (राज्य सरकार) नीति निर्माता श्रेणी के प्रमाण–पत्र से सम्मानित किया है।

उन्हें स्कूल शिक्षा में दिए गए उत्कृष्ट योगदान और फरीदाबाद में आयोजित व्यापार शिक्षा पर आधारित दूसरे राष्ट्रीय सम्मेलन में शिक्षा सुधारों के लिए सम्मानित किया गया है। भारतीय शिक्षा कांग्रेस–2012 इंडियन फ्रेचाइंची एसोसिएशन और अर्ली लर्निंग एसोसिएशन आफ इंडिया द्वारा आयोजित की गई थी।

डा. खंडेलवाल, जो 1985 बैच के हरियाणा के एक वरिष्ठ भारतीय प्रशासनिक अधिकारी हैं, को हरियाणा के स्कूलों में सैमेस्टर प्रणाली शुरू करने के लिए श्रेय जाता है, जोकि भारत में पहली बार की गई थी।

डा. खंडेलवाल ने राज्य में एजूसेट प्रणाली को बढावा देने के लिए भी योगदान दिया है। डा. खंडेलवाल द्वारा मासिक पत्रिका 'टीचर्स डायरी' और 'शिक्षा लोक' की शुरूआत भी की गई।

उन्होंने कानून, इंजिनियरिंग, कम्प्यूटर साइंस शिक्षा, प्रबंधन और संस्कृति से संबंधित विषयों पर 18 से ज्यादा किताबें लिखी हैं।

मजदूर

कभी दबे थे,
अभी दबे हैं,
कब तक दबे रहेंगे
आओ आज
शपथ उठायें,
इनको मुक्त करेंगें।
लाल बिहारी लाल

मजदूर....

शाम के वक्त
जब मजदूर लौटते हैं
अपने घरों की ओर
होता है उनके चेहरे पर
आत्मसंतुष्टि का भाव
मेहनत कर कमाने का ।
मजदूर
भविष्य के बारे मे
अधिक नहीं सोचता ।
वह
मेहनत करता है
कमाता है
सुख दुःख संग–संग जीता
आज और बस
कल के लिए।
मजदूर
नहीं करता पूजा प्रतिदिन
किसी भगवान की
कुछ पाने के लिए
वह करता है
धन्यवाद
ईश्वर का
उसे काम देने के लिए।
मजदूर करता है पूजा
अपने इष्ट की
सम्पूर्ण समर्पित भाव से
वर्ष मे एक या दो बार
अवसर विशेष पर
और कर देता है
सब कुछ अर्पण
इष्ट देव के चरणों मे
आस्था के साथ
जो भी है उसके पास।
मजदूर
बहुत संतुष्ट होता है।

डॉ ए. कीर्तिवर्धन

जेट ने रोकी थी टाटा की उड़ान

नई दिल्ली। अगर टाटा समूह और सिंगापुर एयरला.इंस को 15 साल पहले निजी एयरलाइंस शुरू करने की मंजूरी दी गई होती तो देश में विमानन क्षेत्र का इतिहास कुछ और ही होता। उड़ान भरना तो दूर, जेट की शह पर विदेशी निवेश के सवाल पर शुरू में ही इस योजना के पर कतर दिए गए। यह बात पूर्व नौकरशाह एमके कॉ ने अपनी किताब में कही है।

आइके गुजराल सरकार के समय नागर विमानन सचिव रहे कॉ की किताब एन ऑउटसाइडर एवरीवेयर–रेवेलेशन बाइ एन इनसाइडर के नाम से प्रकाशित हुई है।

इस किताब में कहा गया है कि टाटा समूह ने सिंगापुर एयरलाइंस की 40 फीसद हिस्सेदारी के साथ एक निजी विमानन कंपनी शुरू करने का प्रस्ताव किया था। रतन टाटा से बड़ी चुनौती मिलने की आशंका से नरेश गोयल की

अगुआई वाली जेट एयरवेज ने विदेशी हिस्सेदारी को लेकर मामले में मध्यस्थता की थी।

कॉ ने लिखा कि इसे जेट की टाटा पर विजय के रूप में देखा गया था। यदि इसे नीति के तौर पर पेश किया जाता तो टाटा समूह के लिए माफिक हालात पैदा होते। तत्कालीन नागर विमानन मंत्री सीएम इब्राहिम खुश नहीं थे। वह राजी नहीं थे। जेट वालों ने उन्हें कहा था कि मैं टाटा समूह को फायदा पहुंचाने की कोशिश कर रहा

मंत्री ने बार–बार कोशिश करने के बावजूद इस फाइल को अपनी मंजूरी नहीं दी। हाल ही में रतन ने कहा था कि एक आदमी टाटा समूह और उसकी विमानन क्षेत्र में उतरने की इच्छा के आड़े आ गया, लेकिन उन्होंने इसका ब्योरा नहीं दिया।

सेवानिवृत्ता नौकरशाह ने नए प्रस्तावों में भी विदेशी विमानन कंपनियों को 40 फीसद हिस्सेदारी देने की मंजूरी से जुड़े प्रावधान की वकालत की है। उन्होंने कहा कि आज भी देश में नागर विमानन नीति नहीं है।

इस क्षेत्र के कई विशेषज्ञों का मानना है कि जब तक जेट एयरवेज के प्रमोटर इस क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश से सहमत नहीं होंगे, तब तक एफडीआइ को मंजूरी नहीं मिलेगी।

कॉ के मुताबिक टाटा समूह बेंगलूर में एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा भी बनाना चाहता था। उनके पास एक ऐसा विदेशी सहयोगी था, जिसके पास ग्लोबल स्तर का हवाई अड्डा बनाने की सारी विशेषज्ञता थी। आमतौर पर इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल जानी चाहिए थी। कॉ ने इस मामले को मंत्री इब्राहिम के सामने रखा, लेकिन उन्होंने इस प्रस्ताव को अनुमति नहीं दी। टाटा आखिरकार इंतजार करके थक गए और अपना प्रस्ताव वापस ले लिया।

भ्रष्टाचार की कहानी है एयर इंडिया

एयर इंडिया की मौजूदा स्थिति के बारे में उन्होंने कड़ी टिप्पणी की है। उन्होंने कहा कि यह विमानन कंपनी के बेनामी स्वामित्व, रिश्वत, सभी प्रतिद्वंद्वी कंपनियों के एक के बाद एक डूबने, नौकरशाहों व राजनीतिक नेताओं द्वारा कुप्रबंधन, वीवीआइपी उड़ान, हज उड़ान ने इसका बेड़ा गर्क किया। यह बेशर्मी से लूटने और बेइंतहा भ्रष्टाचार की कहानी है।

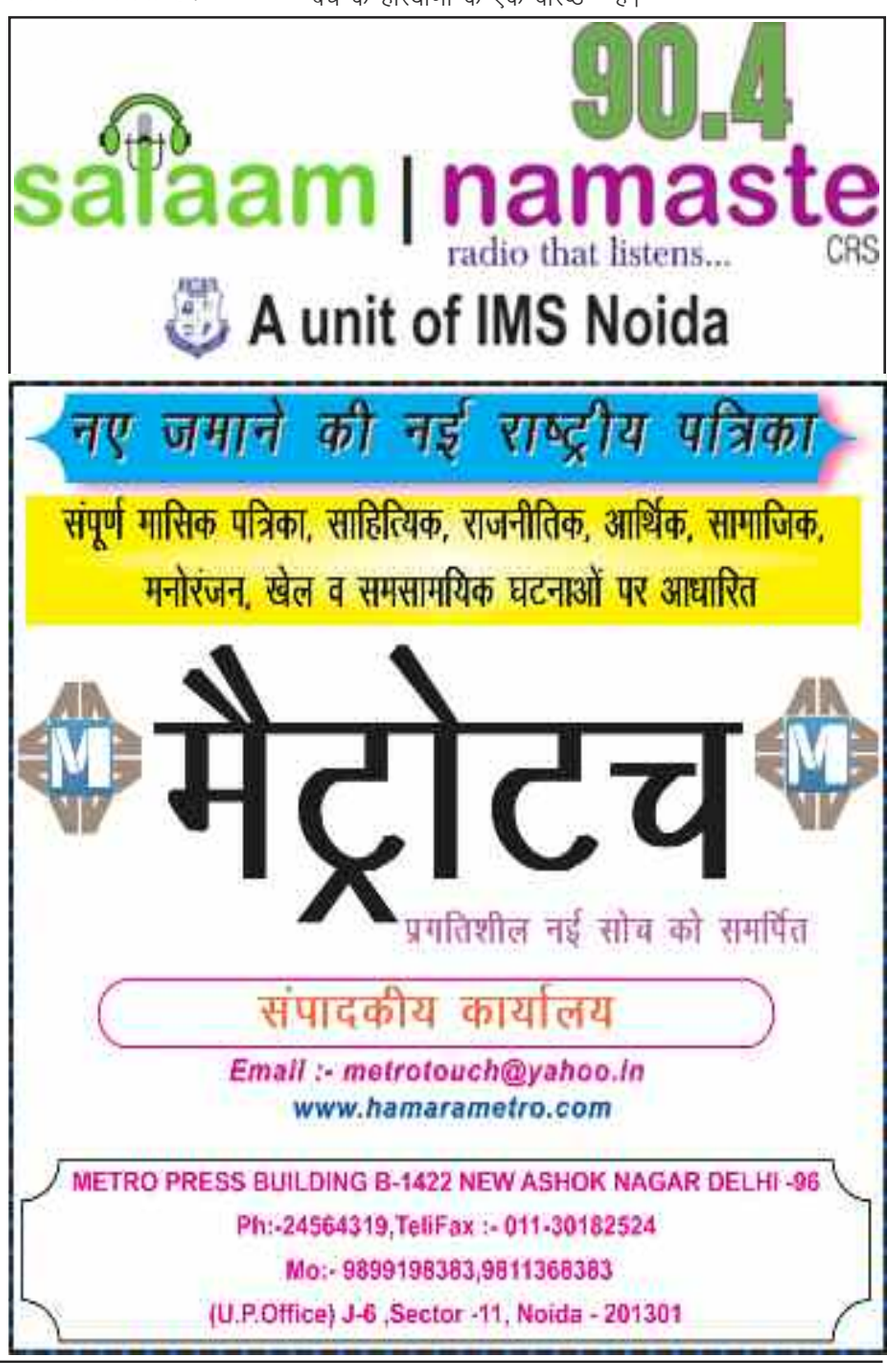

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक राजकुमार अग्रवाल ने मैट्रो ऑफसैट प्रिंटर्स बी–1422 न्यू अशोक नगर दिल्ली–96 से मुद्रित व प्रकाशित किया। RNINo.DELHIN / 2009/ 27253 मो. 9899198383, 9213912111, टेली–011–24564319

एक नजर में

दिल्ली नगर निगम की बी. जे. पी.पूरी तरह विफल

दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की बी. जे. पी. की सरकार विकास और जन कल्याण के कार्य पूरा करने में पूरी तरह विफल रही है. दिल्ली नगर निगम में वित्तीय अनियमितता की वजह से दिल्ली सरकार द्वारा उपलब्ध कराये गए धन राशी का विकास के कार्य में उपयोग नहीं हो पाया तथा भ्रष्टाचार के भेट चढ़ गया. पिछले वित्तीय वर्ष में दिल्ली सरकार ने 1585 करोड़ रुपये की वजाए 1722 करोड़ रूपये जरी किये थे, जिसमे से मात्र 1660 करोड़ रूपये ही खर्च हो पाए. उक्त बातें दिल्ली सरकार के परिवहन मंत्री श्री अरविंदर सिंह, उर्जा मंत्री श्री हारुन युसूफ एवं श्रम मानती श्री रमाक. ांत गोस्वामी ने दिल्ली स. चवालय में आयोजित संबाददाता सम्मलेन के दौरान दी.

परिवहन मंत्री श्री अर. विंदर सिंह ने बताया कि दिल्ली सरकार ने प्लान और नान प्लान बजट मद में कुल ३३२८ करोड़ रुपये कि धन राशी दिल्ली नगर निगम की बी. जे. पी. की सरकार को विकास के कार्य में उपयोग हेतु प्रदान किया. इसके साथ ही 1831 करोड़ रूपये कि अतिरिक्त धन राशी भी जारी कि जा रही है, जिसमे निगम के ठेकेदारों का 600 करोड़ कि बकाया राशी भी शामिल है. यह बकाया धन राशी दिल्ली नगर निगम पर ठेकेदारों का पिछले साल से बकाया है. उन्होंने आगे कहा कि सवाल यह उठता है कि बिना उपलब्ध धन राशी के कैसे निविदा निकला गया और काम कराया गया. यह गंभीर वितत्य अनियमितता का मामला है.

उर्जा मंत्री श्री हारुन युसुफ ने बताया कि दिल्ली नगर निगम की बी. जे. पी. की सरकार विकास और जन कल्याण के कार्य पूरा करने कि वजाय धन के दुरूपयोग में लगी रही. सडको का रखरखाव ठीक से नहीं करने कि वजह से सरकार ने लगभग 676 किमी. सड़क को निगम से ले लिया है, 250 करोड़ कि लगत से इनसे चकाचक बनाया जायेगा. उन्होंने आगे कहा कि सिर्फ आरोप लगाने का काम दिल्ली नगर निगम की बी. जे. पी. की सरकार ने आज तक किया है।

मुख्यमंत्री के भवन मजदूर कल्याण कोश की 800 करोड़ मजदूरों के हित में खर्च करने का निर्देश

दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने कहा है कि कामगार विकास की बुनियाद रखते हैं। उनकी

दिक्कतें और तकलीफे दूर करना सरकार की प्राथमिकता बनती है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार चाहती है कि दिल्ली में रहने वाले मजदूरों को अपने सपने का मकान मिले। सरकार ने हजारों की तादाद में मजदूरों के लिए आवास बनाए हैं। इस दिशा में बड़े पैमाने पर निर्माण किया जाएगा ताकि मजदूर जब रिटायर होने की उम्र में पहुंचे तो उसे अपने घर का सुखद उपहार मिल सके। श्रीमती दीक्षित ने ये विचार आज दिल्ली सचिवालय में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में व्यक्त किए। जहां एक मजदूर रमन कुमार को एक लाख रूपए का सर्वोच्च मुख्यमंत्री श्रमिक पुरस्कार प्रदान किया गया।

10 कामगारों को दिल्ली श्रमिक पुरस्कार और 28 औद्योगिक इकाइयों के प्रबंधकों को दिल्ली सुरक्षा पुरस्कार दिए गए। इस अवसर पर दिल्ली के श्रम एवं उद्योग मंत्री श्री रमाकांत गा. स्वामी, दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव श्री प्रवीण कुमार त्रिपाठी, प्रधान सचिव श्रम बी वी. सेल्वराज, श्रमायुक्त रमेश तिवारी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर श्रम विभाग के एक दस्तावेज का लोक. ार्पण किया जिसमें उपलब्धियों और भविष्य की नीतियों का संकलन है। मुख्यमंत्री को दो श्रमिकों ने उपहार भी दिए।

दीक्षित ने कहा कि दिल्ली में जितना आलीशान निर्माण हुआ है उसके रखरखाव की जरूरत है। अगर रखरखाव उत्तम होगा तो वह निर्माण और वे भवन हर दिन नए और सुन्दर दिखाई देंगे।

उन्होंने इस काम में कामगारों से भागीदार बनने को कहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सम्मानित किए गए कामगार तमाम मजदूरों के लिए आदर्श हैं। दीक्षित ने कहा कि सरकार मजदूरों की कठिनाइयों और दिक्कतों को दूर करने के लिए कृतसंकल्प है। दिल्ली में भवन मजदूर कल्याण कोष में इस समय 800 करोड़ रूपए की राशि है। इस राशि का इस्तेमाल कामगारों के हित में किया जाएगा।

ऐसा करते हुए मजदूरों की आवश्यकताओं को प्राथमि. कता दी जानी है। श्रीमती दीक्षित ने कहा कि दिल्ली सरकार चाहती है कि भवन मजदूरों को निर्माण की नई–नई तकनीकों में पारंगत बनाया जा सके।

उन्होंने कहा कि सरकार ने हाल ही में मजदूरों को मिलने वाले फायदों में तीन गुना से ज्यादा बढ़ोतरी की थी। इसमें लड़कियों की शादी के लिए सहायता राशि, पेंशन और मातृत्व लाभ की राशि शामिल हैं।

मातृत्व लाभ की राशि में तो 10 गुना बढ़ोतरी की गई। सरकार कामगारों के कौशल विकास के लिए योजनाबद्ध तरीके से काम कर रही है। देश में सबसे अधिक न्यूनतम मजदूरी दिल्ली में मिलती है।

श्रम मंत्री श्री गोस्वामी ने कामगारों को मई दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सरकार कामगारों को सुविधा देने में कभी पीछे नहीं रहेगी। सदियों पुराने कानूनों को सामयिक बनाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने बाल मजदूरी समाप्त करने के दिल्ली सरकार के संकल्प को दोहराया।

गोस्वामी ने यह भी कहा कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना के काम को और सुचारू बनाया जाएगा। समारोह को मुख्य सचिव श्री प्रवीण कुमार त्रिपाठी और प्रधान सचिव श्रम सेल्वराज ने भी संबोधित किया।

समारोह में पहले मुख्यमंत्री श्रमिक पुरस्कार, दिल्ली श्रमिक पुरस्कार और दिल्ली सुरक्षा पुरस्कार भी वितरित किए गए। इन पुरस्कारों की शुरूआत दिल्ली सरकार के श्रम विभाग ने की है। दिल्ली में श्रमिकों के लिए पुरस्कार पहली बार दिए जा रहे हैं। श्री रमन कुमार को एक लाख रूपए का मुख्यमंत्री श्रमिक पुरस्कार–2012 प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री शीला दीक्षित ने करतल ध्वनि के बीच रमन कुमार को पुरस्कार दिया। वह मैसर्स महाजन प्रोडेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड में काम करते हैं। उन्हें कुशलता बढ़ाने, बिजली की बचत के उपकरण लगाने और फैक. टरियों में लगी आग को बुझाने में उल्लेखनीय योगदान देने के लिए राज्यस्तरीय सवा. च्च पुरस्कार के लिए चुना गया। उन्होंने अपनी फैक्टरी में 30 प्रतिशत की बचत करने में योगदान दिया और उन्होंने आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण भी प्राप्त किया है। इन पुरस्कारों की प्रविष्ठियां मांगने के लिए अप्रैल माह में विज्ञापन जारी किया गया था।

कुल मिलाकर 80 नामांकन मिले जिनमें से 39 को पुरस्कार प्रदान किए गए। श्रीमती दीक्षित ने दिल्ली श्रमिक पुरस्कार 10 कामगारों को प्रदान किए।

इनमें से पांच को 25,000 रूपए का प्रथम पुरस्कार और प्रमाण–पत्र और अन्य पांच को 10,000 रूपए का द्वितीय पुरस्कार और प्रमाण–पत्र दिया गया। ये पुरस्कार फैक. टरी में सुरक्षा, बेकार सामग्री में कमी लाने और कुशलता बढ़ाने के लिए दिए गए।

इसके अलावा 10 से 100 कामगारों वाली फैक्टरियों के मालिकों को दिल्ली सुरक्षा पुरस्कार प्रदान किए गए और 100 से अधिक कामगारों वाली फैक्टरियों को भी इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस पुरस्कार के अंतर्गत एक शील्ड और प्रमाण–पत्र दिया गया।

इस पुरस्कार के लिए यह देखा गया कि किस–किस फै. क्टरी में कम से कम दुर्घटनाएं हुईं और किस–किस फैक्टरी दुर्घटना रहित अवधि रही।

ये पुरस्कार प्रिंटिंग, रेडिमेड गारमेंट्स, रबड़ उत्पाद, रसायन और दवा उद्योग, खानपान और पेय, मशीनरी, निर्माण और फुटकर उद्योगों के मालिकों को दिए गए।

नई दिल्ली–सिविक सेंटर में उत्तरी दिल्ली निगम के लिए चुनी गई महापौर मीरा अग्रवाल के बाद सदन को संबोधित करते सदन के नेता डॉ महेंद्र नागपाल।

नर्मदा नदी किनारे बसे शहरों में नर्मदा शुद्धिकरण योजना

नई दिल्ली। मध्यप्रदेश में नर्मदा नदी के किनारे बसे क्षेत्रों में नर्मदा शुद्धिकरण की एक महत्वाकांक्षी योजना राज्य सरकार ने शुरू की है। योजना के तहत नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग नर्मदा नदी के तटीय क्षेत्रों मे नगरीय निकायों के माध्यम से नर्मदा नदी में होने वाले प्रदूषण को रोकने का काम करेगा।

मध्यप्रदेश के नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री श्री बाबूलाल गौर ने आज यहां बताया कि प्रथम चरण में नर्मदा किनारे बसे नौ नगरों–अमरकंटक, डिण्डौरी, मण्डला, भेड़ाघाट, होशंगाबाद, बुधनी, ओंकारेश्वर, मण्डलेश्वर एवं महेश्वर नगरों के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों के साथ बैठक की गई है। इन नगरीय निकायों को एक–एक करोड़ रुपये दिये गये हैं। इस राशि से नगरीय निकाय सर्वेक्षण कर डिजाइन तैयार करेंगे और नाला चैनलाईजेशन का कार्य शुरू करेंगे। नर्मदा नदी में प्रदूषण रोकने के लिए नदी में मिलने वाले गंदे नालों की रोकथाम, पानी के निकास, ठोस कचरा अपशिष्ट निष्पादन आदि कार्य कराये जायेंगे। उन्होंने बताया कि द्वितीय चरण में नर्मदा तट या थोड़ी दूरी पर बसे छोटे–मझोले करीब 52 शहरों में काम किया जायेगा।

श्री गौर ने बताया कि योजना के तहत 10 साल में कार्य पूर्ण किये जायेंगे। योजना का डी.पी.आर. तैयार हो जाने पर केन्द्र सरकार से 50 प्रतिशत राशि की मांग की जायेगी। अनुमानतः पहले साल में 50 करोड़ रुपये व्यय होंगे।

श्री गौर ने बताया कि प्रदेश की जीवन दायिनी नर्मदा नदी की कुल लम्बाई 1312 कि0मी0 है। यह नदी 1077 कि0मी0 मध्यप्रदेश से और 161 कि0मी0 गुजरात से होकर जाती है।

Satyam Electricals Trading Co.
B-46, Sector-9, Noida-201301 (U.P.)
Ph : 95120-2531474, 9811199077, 9873356864

Vijay Dhall
Kailash
9811451777
9868516387
RAJDHANI FURNITURES
Manufacturers of :
STEEL ALMIRAHS & FURNITURES
C-77, Sector-4, Noida (U.P.) PHONE 4323023

COMPUTER
ARPITA ENTERPRIES
Complet solution for Computor printer & Faxs
Mob. : 9818353182, 9868606300
G-1, Indra Market, Sector-27, Noida

LEAD INDIA GROUP
LEAD INDIA
Institute of Media Training
"A Finishing School for an Aspiring Media Professional."
Syllabus of Course
Contact Us:
www .insidestorymedia.com
call:-09899000767,09899744568

Special Sale Discount 50%
Suresh Agarwal 9810805560
Nivedita Agarwal (Off) 3298785
Supreme Furniture
Specialist in Teakwood Furniture
Complete Wooden Interior Of Flats & Kothies
C-11, Frist Floor, DND Road, Sector- 10, Noida
(Opp Jalvayu Vihar, Sector- 21)

SHEKHAR BANSAL
9811271985
9212502236
AMBA SAFE
Specialist in :
Excellent Quality of Steel Furniture, Wall Fixing And Domestic Almirah
AGGARWAL STEEL FABRICATION
G- 37, Sector - 9, NOIDA

GIFT HI GIFT
Gift Itomes On Whole Sale Rates
BANSAL TRADERS
whole Sale Dealer Of Pressure Cooker United, Howkins, Prestige
B-1/325, 26 Main Road, New Kondli Delhi-96
Ph.22628020,9810738025

DATAVYA CHARITABLE CLINIC
Mob: 09654185161
A.B. Foundation
बी–14 निकट जय प्रोपर्टी न्यू अशोक नगर दिल्ली–96
सेवाऐं
होम्योपैथिक — समय सुबह 9 से शाम 6 बजे तक
ऐलोपैथिक — समय सुबह 10 से 2 बजे तक
नशा मुक्ति ओ.पी.डी. — समय दोपहर 2 से शाम 4 बजे तक
केवल न्यूनतम शुल्क

सम्पादकीय

बद्री–केदार के यात्रियों को मुफ्त भोजन मिलेगा

इस बार बद्रीनाथ और केदारनाथ पहुंचने वाले यात्रियों को दर्शन करने के उपरांत चंदन एवं प्रसाद आदि निशुल्क उपहार के तौर पर दिए जाएगे। केदारनाथ के कपाट शनिवार प्रातः खुल गए हैं और बद्रीनाथ के कपाट रविवार प्रातः खुल रहे हैं। जबकि गंगोत्री और यमुनोत्री के कपाट गत 24 अप्रैल को खुल गए हैं।

बद्रीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति के अध्यक्ष अनुसूया प्रसाद भट्ट के अनुसार इस बार भगवान केदारनाथ तथा बद्रीनाथ के दर्शन करने के उपरांत तीर्थयात्रियों को भेंट के रूप में मंदिर समिति द्वारा चंदन व प्रसाद उपलब्ध कराया जाएगा। इसके अलावा अपंग तथा असहाय तीर्थयात्रियों के लिए निशुल्क आवासीय सुविधा भी दी जाएगी।

इन आवास गृहों में प्रतिदिन 1000 तक तीर्थयात्री निवास कर सकेंगे। ऐसे तीर्थयात्रियों को भोजन की निशुल्क व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए चार माह तक मंदिर समिति द्वारा भंडारा आयोजित किया जाएगा। भट्ट ने बताया कि भगवान शंकर के 11 ज्योतिर्लिगों में से एक केदारनाथ के कपाट शनिवार प्रातः खुल गए हैं और बद्रीनाथ के कपाट रविवार प्रातः खुलने हैं जिसकी तैयारियां पूर्ण कर ली गयी हैं।

भट्ट ने अनौपचारिक बातचीत के दौरान बताया कि इस बार बद्रीनाथ तथा केदारनाथ में दर्शन के लिए लाइन पर लगे तीर्थयात्रियों को ठंड से निजात दिलाने के लिए वुडन फर्श की व्यवस्था की गई है। दरअसल हिमालय में भारी ठंड के कारण तीर्थयात्रियों को नंगे पैर लाइन में खड़े रहना पड़ता है।

वुडन फर्श से यात्रियों ठंड से निजात मिलेगी। यही नहीं बाथरूम की भी व्यवस्था की ही गई है। लाइन पर लगे यात्रियों को चाय आदि सुलभ कराने के प्रयास किए जाएंगे। बद्रीनाथ तथा केदारनाथ धामों को पॉलीथीन प्रदूषण से मुक्त करने के लिए प्रसाद आदि के लिए निशुल्क थैले उपलब्ध कराए जाएंगे।

स्थानीय उत्पादों को यात्रियों को सुलभ कराने के लिए काउंटर की व्यवस्था स्वयंसेवी संस्थाओं के माध्यम से इस बार भी जारी रहेगी। मंदिर समिति के अध्यक्ष ने कहा कि पहली बार बतौर ट्रायल मंदिरों में दर्शन के लिए कूपन व्यवस्था लागू की गई है।

यदि यह व्यवस्था सफल हुई तो तब इसे आगे बढ़ाया जाएगा। कपाट बंद होने के बाद देहरादून में कारगी चौक पर संग्रहालय स्थापित किया जाएगा। इस संग्रहालय में साहित्य व प्रचार–प्रसार सामग्री लोगों को उपलब्ध करायी जाएगी। उन्होंने कहा कि यहां के धार्मिक स्थलों के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में प्रयास किए जाएंगे। तीर्थाटन के जरिए यहां की आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने में लोगों का सहयोग लिया जा रहा है।

गुप्तकाशी विद्यापीठ में आयुर्वेदिक विविद्यालय स्थापित करने के प्रयास जारी हैं। उन्होंने कहा कि यह मसला इस समय शासन में विचाराधीन है। इसी तरह लोक संस्कृति संस्थान की स्थापना का मामला भी शासन के हवाले किया गया है।

तेलंगाना मांग पर लोकसभा में हंगामा

पृथक तेलंगाना राज्य के गठन के मुद्दे पर टीआरएस सदस्यों के हंगामे के कारण लोकसभा की कार्यवाही करीब आधे घंटे के लिए 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। आज सुबह सदन की कार्यवाही शुरू होने पर टीआरएस सदस्य के चंद्रशेखर राव और विजया शांति पृथक तेलंगाना राज्य के गठन की मांग करते हुए अध्यक्ष के आसन के सामने आ गए और नारे लगाने लगे। अध्यक्ष ने सदस्यों से अपने स्थान पर जाने को कहा लेकिन टीआरएस सदस्यों ने नारेबाजी करना जारी रखा।

सदस्यों के हंगामे के बीच अध्यक्ष ने प्रश्नकाल की कार्यवाही जारी रखी। इस बीच, विपक्ष की नेता सुषमा स्वराज ने कहा, ''सदन के दो सम्मानित सदस्य आसन के समीप आपनी मांग के समर्थन में धरने पर बैठे हैं और सदन की कार्यवाही चल रही है। यह अत्यंत दुखद है।'' उन्होंने कहा कि तेलंगाना के विषय पर ही पिछले दिनों आठ सदस्यों को निलंबित किया गया है। सुषमा ने कहा कि सदस्य जो मांग उठा रहे हैं, वह क्षेत्र के लोगों की इच्छा है। इस विषय पर 10 मिनट के लिए प्रश्नकाल स्थगित किया जाए और उसके बाद नेता सदन बताएं कि सरकार तेलंगाना मुद्दे पर क्या कर रही है। उन्होंने कहा कि ढाई साल से लोग सरकार के निर्णय की प्रतीक्षा कर रहे हैं। अगर सरकर तेलंगाना राज्य के गठन का विधेयक लाती है तब भाजपा इसका समर्थन करेगी। इसके बाद अध्यक्ष मीरा कुमार ने सदन की कार्यवाही 12 बजे तक स्थ. गित कर दी।

ड्रोन हमले अंत. र्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन : पाक

पाकिस्तान ने अफगानिस्. तान की सीमा से सटे अपने कबायली इलाके में अमेरिकी ड्रोन हमले की निंदा करते हुए आज कहा कि इस तरह की कार्रवाई अंतर्राष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है। इस हमले में कम–से–कम चार संदिग्ध आतंकवादी मारे गये थे। उत्तरी वजीरिस्तान के मुख्य शहर मिरानशाह के एक परिसर में दो ड्रोन मिसाइल हमले के कुछ घंटों के बाद विदेश मंत्रालय ने इसकी भर्त्सना की है।

अमेरिका और अफगानिस्. तान के अधिकारी इस क्षेत्र को अल कायदा और तालि. बानी तत्वों का सुरक्षित पनाहगाह मानते हैं। इस हमले में कम–से–कम चार संदिग्ध आतंकवादियों की मौत हो गयी और कई अन्य घायल हो गये।

30 मार्च के बाद से यह पहला मिसाइल हमला था। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मोएज्जम खान ने रविवार देर रात एक बयान में कहा कि उत्तरी वजीरिस्तान में आज अमेरिका द्वारा किये गये ड्रोन हमले की पाकिस्तान सरकार निंदा करती है। इस तरह का हमला पूरी तरह से अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है और दो देशों के बीच संबंधों के स्थापित मान. दंडों के खिलाफ है।

खान ने कहा कि लगतार हो रहे ड्रोन हमलों से पाकिस्. तान की क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता का उल्लंघन हो रहा है। इस मामले को राजनयिक स्तर पर पाकिस्तान और अमे. रिका दोनों जगहों पर उठाया जाएगा।

मजबूत लोकपाल केन्द्र गंभीर या छलावा

केन्द्रीय कानून मंत्री सलमान खुर्शीद ने कहा कि मजबूत लोकपाल बिल लाने पर केन्द्रीय सरकार पूरी तरह गंभीर है किन्तु विरोधी दल सहयोग नहीं कर रहे हैं। खुर्शीद ने यहां बाबा रामदेव के कालेधन से संबद्ध मुद्दे पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि हर अच्छे प्रस्ताव को स्वीकार करने के लिये सरकार तैयार है। अपने निर्वाचन क्षेत्र के एक दिन के दौरे पर आये केन्द्रीय कानून मंत्री ने कहा कि सरकार भारतीय दंड संहिता को और सशक्त बनाने की दृष्टि से आगामी मानसून सत्र में लो. कपाल बिल के अतिरिक्त न्यायपालिका में भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने, महिलाओं पर अत्याचार रोकने तथा सरकारी खरीद में पारदर्शिता लाने आदि के आठ कानूनों को लाने के लिये संकल्पबद्ध है।

खुर्शीद ने कहा कि प्रदेश की जनता की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को देखते हुए केन्द्र सरकार उत्तर प्रदेश में एम्स जैसी बहुउद्देशीय सेवायें उपलब्ध कराने के प्रति भी सचेष्ट है।

केन्द्रीय कानून मंत्री ने चुनावों में पेड न्यूज प्रकाशित करने संबंधी समस्याओं पर अंकुश लगाने के प्रश्न पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि केन्द्र ने मंत्रियों के समूह को गठित कर इस समस्या से निपटने का प्रयास किया है।

चुनाव आयोग भी इस दिशा में प्रयत्नशील है।

मंत्री पद से त्यागपत्र देकर कांग्रेस संगठन में काम करने की खबरों पर गोलमोल जवाब देते हुए सलमान ने कहा कि कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी की इच्छा पर निर्भर करता है, जिससे इंकार नहीं किया जा सकता। काले धन के मुद्दे पर सरकार पर अकर्मण्यता का आरोप लगाये जाने का प्रतिवाद करते हुए कानून मंत्री ने कहा कि इस मामले में सरकार पूरी तरह गंभीर और सचेष्ट है। उच्चतम न्यायालय में विच. ाराधीन कतिपय मामलों पर आने वाले निणर्यों के संदर्भ में सरकार कोई तात्कालिक कदम उठाने से बच रही है। प्रेस परिषद के अध्यक्ष न्यायमूर्ति काटजू से हुई मुलाकात में मीडिया से संबंधित कतिपय मामलों में गहन चर्चा होने की बात स्व. ीकारते हुए कानून मंत्री ने कहा कि रक्षा संबंधी मामलों पर प्रकाशन को लेकर मीडिया प्रबंधकों से स्वयं अपनी आचार संहिता बनाने पर विचार–विमर्श हुआ ताकि देश के रक्षा संबंधी विषयों को आघात लगने से बचा जा सके।

पदोन्नति में आरक्षण : शीघ्र कदम उठाएगी सरकार

सरकार ने आज लोकसभा को सूचित किया कि अनुस. ूचित जाति और जन जाति के कर्मचारियों को पदोन्नति में आरक्षण देने संबंधी उच्चतम न्यायालय के एक फैसले को लेकर उठी भ्रांतियों को दूर करने के लिए वह शीघ्र ही कदम उठाएगी। शून्यकाल में कांग्रेस के पीएल पुनिया द्वारा पदोन्नति में आरक्षण संबंधी एम नागराज मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले पर स्पष्टीकरण के लिए केन्द्र की ओर से याचिका दायर करने की मांग पर प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री वी नारायणसामी ने यह आश्वासन दिया।

उन्होंने कहा कि इस मामले में विधि एवं न्याय और सामाजिक न्याय एवं अधिका. रिता मंत्रालयों के साथ मंत्रणा चल रही है।

उन्होंने कहा कि इस मामले में ''हम जल्द ही फैसला करेंगे।'' पुनिया ने कहा कि उच्च सरकारी पदों में पदोन्नति में आरक्षण देने के मामले में शीर्ष अदालत के हाल के निर्णय से कई राज्यों और केन्द्र तक में भ्रांतियां फैली हैं। उन्होंने कहा कि कई राज्य इसकी ऐसी व्याख्या कर रहे हैं कि पदोन्. नति में आरक्षण की व्यवस्था समाप्त हो गई है। नारायणसामी ने कहा कि सरकार इस तरह की गलतफहमियों को दूर करने के लिए पहले ही दो संशोधन ला चुकी है। अब फिर से भ्रांति उठने पर मामले पर कानून एवं न्याय मंत्रालय से विचार करने और उचित कदम उठाने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि विचार विमर्श जारी है और हम निर्णय करेंगे कि इस संदर्भ में आगे क्या कदम उठाया जाए। उच्चतम न्यायालय ने पिछले सप्ताह एक फैसले में अनुस. ूचित जाति–जनजाति और ओबीसी उच्च पदाधिकारियों को पदोन्नति में आरक्षण का लाभ देने वाले उत्तर प्रदेश सरकार के फैसले को यह कर रद्द कर दिया था कि ऐसा बिना किसी उचित आंकड़ों के किया गया है।

टेलीनॉर ने दी भारत से कारोबार समेटने की चेतावनी

नॉर्वे के टेलीनॉर समूह ने आज कहा कि यदि स्पेक्ट्रम नीलामी के संबंध में दूरसंचार नियामक ट्राई की ओर से हाल में जारी सिफारिशों को सरकार लगू करती है तो वह भारत में अपना कारोबार बंद कर देश से निकलने को मजबूह हो जाएगी। दूरसंचार नियामक ने स्पेक्ट्रम की नयी नीलामियों के लिए सरकारी बोली न्यूनतम मूल्य 2008 के मुकाबले 13 गुना रखने का सुझाव दिया है। टेलीनार के उपाध्यक्ष और भारत में कंपनी के प्रमुख सिग्वे ब्रेकी ने एक बयान में कहा ''यदि ये सिफारिशें ही नीति का स्वरूप ले लेती हैं तो भारत सरकार टेलीनॉर को बाहर निकलने पर मजबूर करेगी। आगामी नीलामी प्रक्रिया में शिरकत करना हमारे लिए लगभग असंभव होगा।''

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकार (ट्राई) ने पिछले सप्ताह सिफारिश की थी कि सरकार को 1800 मेगाहर्ट्ज बैंड में पांच मेगाहर्ट्ज के स्पेक्ट्रम की नीलामी करनी चाहिए और प्रति मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम के लिए सरकार की ओर से न्यूनतम 3,622.18 करोड़ रुपए का मूल्य रखना चाहिए। यह राशि 2008 में में तत्कालीन दूरसंचार मंत्री ए. राजा के कार्यकाल में पहले आओ पहले पाओ आधार पर आवंटित 2जी स्पेक्ट्रम के लिए वसूली गयी कीमत से 13 गुना अधिक है। उस वक्त 6.2 मे. गाहर्ट्ज 2जी स्पेक्ट्रम सिर्फ 1,659 करोड़ रुपए में दिया गया था। टेलीनॉर ने कहा कि उसने 2008 में भारतीय रीयल एस्टेट कंपनी यूनिटे के दूरसंचार कारोबार –यूनिटेक वायरलेस– की बहुलांश हिस्स. ेदारी खरीदने के लिए तीन अरब डालर का निवेश किया है। इस कंपनी का नाम बाद में यूनिनॉर कर दिया गया। टेलीनॉर की यूनिनॉर में 67 फीसद हिस्सेदारी है जिसके सभी 22 दूरसंचार लाइसेंस उच्चतम न्यायालय ने रद्द कर दिए। उच्चतम न्यायालय ने इसके अलावा विभिन्न कंपनियों के अन्य 100 लाइसेंस भी रद्द कर दिए हैं। उच्चतम न्यायालय ने फरवरी के शुरू में एक धमाकेदार निर्यण में जनवरी 2008 के जारी सभी 122 दूरसंचार लाइसेंस–स्पेक्ट्रम रद्द कर नए आवंटन के लिए चार माह का समय दिया था। न्यायलय ने अब सरकार को नीलामी के लिए 31 अगस्त तक का समय दे दिया है और कहा है कि प्रभावित कंपनियों के लाइसेंस सात सितंबर तक की वैध रहेंगे।

भारत के साथ व्यापारिक संबंध प्रगाढ़ करेगा सेशेल्स

हिंद महासागर के मध्य–पश्चिम भाग में स्थित अफ्रीकी देश सेशेल्स ने भारत के साथ व्यापारिक संबंध खासकर ऊर्जा तथा प्रौद्यो. गिकी के क्षेत्र में बेहतर सहयोग की मांग की है। सेशेल्स के वित्त, निवेश तथा व्यापार मंत्री पियरे लापोर्ते ने कहा कि तेल की कीमतों में उतार–चढ़ाव को देखते हुए यह स्पष्ट है कि भारत और सेशेल्स अक्षय ऊर्जा तथा हमारे जल क्षेत्र में संभावित तेल भंडार तलाशने समेत एक दूसरे के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग कर सकते हैं। भारत–सेशेल्स व्यापार मंच की रविवार रात हुई बैठक में उन्होंने कहा कि अगले कुछ महीने में रणनीतिक रूप से स्थित उनका देश अत्याधुनिक समुद्र के रास्ते आ. प्टिक केबल से जुड़ेगा। यह सेवा तथा आनलाइन क्षेत्र में कई अवसर खोलेगा। बैठक में लापोर्ते ने कहा, ''इसके साथ वास्तव में सेशेल्स दुनिया में प्रति व्यक्ति बैंडविड्थ की उपलब्धता के मामले में अग्रणी देश होगा।'' बैठक को भारत की राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल ने भी संबोधित किया। राष्ट्रपति दो दिवसीय यात्रा पर सेशेल्स आयी हुई हैं। वह मंगलवार को दक्षिण अफ्रीका के लिये रवाना होंगी। लापोर्ते ने कहा, ''इस प्रौद्योगिकी के बेहतर उपयोग के लिये विभिन्न विकल्पों की संभावना तलाशने के संबंध में भारत की कंपनियों के साथ काम करने के लेकर हमारा नजरिया सकारात्मक है। इसमें वित्तीय सेवाओं, सेक्रेटेरियल तथा कार्यालय से संबद्ध प्रशासन एवं सहायक कर्मियों की सेवा को दुरूस्त बनाने के साथ डिजिटल वेयरहाउसिंग तथा कई अन्य सेवाओं में सुधार शामिल हैं।'' लापोर्ते ने समुद्री लूट के खिलाफ अभियान में सेशल्स को दिये गये अमूल्य समर्थन के लिये भारत को धन्यवाद दिया।

हिंद महासागर में सोमाली समुद्री लुटेरों से जुड़ी चुनौतियों के मद्देनजर भारत ने रविवार को कहा था कि वह दोनों देशों के हित के लिये सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के लिए सेशेल्स के साथ काम करने के प्रति प्रतिबद्ध है। रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण वै. श्विक व्यापार मार्ग पर सेशेल्स की स्थिति को रेखांकित करते हुए प्रतिभा पाटिल ने कहा था, ''हम दोनों देशों की जनता के लाभ के लिये सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने हेतु सेशेल्स सरकार के साथ काम करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं।'' सेशेल्स गणराज्य अफ्रीकी देश है जो हिंद महासागर के मध्य–पश्चिमी भाग में स्थित है। 116 द्वीपों के इस देश की आबादी लगभग 90,000 है।

नुपूर ने समर्पण किया, जमानत की मांग खारिज

देश के बहुचर्चित आरूषि–हेमराज हत्याकांड में मुख्य आरोपी नूपुर तलवार ने गाजियाबाद की विशेष अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया, जहां से उन्हें सीबीआई ने हिरासत में ले लिया। नुपूर तलवार की जमानत की अर्जी को अदालत ने खारिज कर दिया। नुपूर को न्यायिक हिरासत में लेकर गाजियाबाद स्थित डासना जेल भेजा जाएगा। नूपुर तलवार के वकील विजय पाल राठी ने जमानत की अर्जी दाखिल करते हुए कहा कि नूपुर तलवार चूंकि एक महिला हैं और कानून भी महिलाओं के साथ रियायत बरतता है लिहाजा उसे जमानत दे दी जाये।

सीबीआई के वकील एस. इस्लाम ने कोर्ट में बहस के दौरान कहा कि हत्या मामले में नुपूर को जमानत नहीं दी जा सकती। नुपूर तलवार केस से लगातार भागती रही हैं। सीबीआई ने उसके खिलाफ धारा 302 के तहत हत्या के आरोप का हवाला देते हुए जमानत का विरोध किया। सीबीआई ने कहा कि नुपूर इस मामले की शुरुआत से ही टाल मटोल भरा रवैया अपनाती रही है। सीबीआई का कहना था कि नूपुर महिला तो हैं, लेकिन बेहद संगीन अपराध की आरोपी होने के कारण उनके साथ नरमी नहीं बरती जा सकती। आरूषि हत्याकांड की सुनवाई और उस पर नुपूर तलवार के आत्मसमर्पण के चलते गाजियाबाद कोर्ट परिसर में आज सुरक्षा तीन गुना बढ़ा दी गई थी। पुलिस ने मीडियाकर्मियों को नोटिस बा. टकर कोर्ट परिसर से दूर रहने की हिदायत दी। पुलिस ने किसी भी व्यक्ति को आ. सपास खड़े होने की इजाजत नहीं दी। जिला कारागार अधीक्षक वीरेश राज ने कहा कि नुपूर तलवार को आम महिला कैदियों की तरह 13 नं. बैरक में रखा जायेगा।

सरकार ने और अधिक मात्रा में कपास निर्यात को मंजूरी दी

सरकार ने विपणन वर्ष अक्तूबर–सितंबर 2011–12 में और अधिक मात्रा में कपास निर्यात को आज मंजूरी दी। यह निर्णय कपास उत्पादन अधिक होने के अनुमानों के मद्देनजर लिया गया। वाणिज्य एवं उद्योग तथा कपड़ा मंत्री आनंद शर्मा ने कृषि मंत्री शरद पवार के साथ बैठक के बाद संवाददाताओं से कहा ''कपास निर्यात पंजीकरण पर रोक हटाने का फैसला किया गया है। सरकार कपास निर्यात के पंजीकरण चालू करेगी।'' पिछले महीने सरकार ने निर्यात पर से प्रतिबंध हटा लिया था लेकिन साथ ही नए पंजीकरण प्रमाणपत्र (आरसी) जारी न करने का फैसला किया था। सरकार ने सिर्फ उन्हीं खेपों के निर्यात को मंजूरी दी थी जिसके लिए पंजीकरण प्रमाण–पत्र पांच मार्च को लगे प्रतिबंध से पहले जारी किए गए थे।

संप्रग अध्यक्ष सोनिया गांधी के राजनैतिक सचिव अहमद पटेल और गुजरात के प्रदेश कांग्रेस प्रमुख अर्जुन मोधवाड़िया के नेतृत्व के नेतृत्व में राज्य के कांग्रेसी सां. सदों ने हाल ही में प्रधानमंत्री मनमोहन सिहं, वित्त मंत्री प्रणव मुखर्जी और शर्मा से मुलाकात की थी और कपास निर्यात पर प्रतिबंध हटाने की मांग की थी।

आज का फैसला पवार द्वारा प्रधानमंत्री को लिखे गए पत्र की पृष्ठभूमि में भी लिया गया है जिसमें उन्होंने कपास, चीनी और दूध जैसे कुछ कृ षि उत्पादों से जुड़ी निर्यात नीतियों को लेकर आपत्ति जताई थी। शर्मा ने कहा कि निर्यात के पंजीकरण पर कोई मात्रात्मक प्रतिबंध नहीं होगा लेकिन मंत्रिसमूह अगले दो–तीन हफ्ते में स्थिति की समीक्षा करेगा।

उन्होंने कहा ''हमने कपास उत्पादन के संबंध में कृषि मंत्रालय के आंकड़े को स्वीकार कर लिया है। कपास परामर्श बोर्ड और कृषि मंत्रालय के संशोधित अनुमान के आधार पर हमने कपास निर्यात के पंजीकरण पर रोक हटाने का फैसला किया है।''

कपास परामर्श बोर्ड ने इस महीने चालू सत्र के लिए कपास उत्पादन का अनुमान 347 लाख गांठ से बढ़ाकर 345 लाख गांठ कर दिया है। बोर्ड ने घरेलू खपत का अनुमान करीब 260 लाख गांठ से घटाकर 250 लाख गांठ कर दिया था।

कृषि मंत्रालय का ताजा अनुमान है कि इस बार कपास उत्पादन 352 लाख गांठ होगा जबकि पहले उसका अनुमान 340.8 लाख गांठ था। प्रतिबंध लगाए जाने से पहले सरकार ने करीब कुल 130 लाख गांठ कपास के निर्यात के लिए आरसी जारी की थी।

केनरा बैंक ने ऋण और जमा पर ब्याज दरें कम कीं

सार्वजनिक क्षेत्र के केनरा बैंक ने अपनी आधार दर तथा प्रधान उधारी दर रूबीपीएलआररू दोनों में 0. 25–0.25 प्रतिशत की कटौती की है। इस कटौती के बाद आधार दर और बीपीएलआर क्रमशरू 10.50 प्रतिशत तथा 14.75 प्रतिशत हो गयी हैं। नई दरें सोमवार से प्रभावी हा. गी। बैंक ने बयान में कहा कि चुनिंदा मियादी जमाओं पर मिलने वाली ब्याज दरों में भी 0.1 प्रतिशत से 0.50 प्रतिशत तक कटौती की है।

बैंक ने सभी कृषि मियादी कर्ज पर 0.25 प्रतिशत की अतिरिक्त कटौती करने का निर्णय किया है। बयान के अनुसार, ''इस कदम का उद्देश्य गांवों में गोदामों, कोल्ड स्टोरेज, कृषि यंत्रीकरण, सूक्ष्म सिंचाई तथा संबद्ध गतिविधियों में निवेश को बढ़ावा देना है।'' विशेष छूट मौजूदा कर्जदार किसानों के अलावा नये कर्जदारों को भी दिया जाएगा।

पाठक अपनी राय हमारे ई–मेल व निम्नलिखित पते पर भेज सकते हैं। डॉक द्वारा भेजने के लिए नीचे लिखे पते पर भेजें।

संपादक
राजकुमार अग्रवाल
मैट्रो प्रेस भवन बी–1422 न्यू अशोक नगर दिल्ली–96

संपादक
राजकुमार अग्रवाल
संपादकीय मंडल
रत्नेश, विनोद तकियावाला
उपसंपादक
लाल बिहारी लाल
पवन आनंद
कानूनी सलाहकार–
अरूण शर्मा (एडवोकेट)
दिल्ली ब्युरो
चेतन शर्मा रउफ,
सौरभ सिंह विजय वर्मा
गाजियाबाद ब्युरो
नितिन पाल
गढमुक्तेश्वर ब्युरो
रविकान्त
इलाहाबाद ब्युरो
सुनील कुमार पाण्डेय
मोदी नगर ब्युरो
नवीन कुमार,
साहिबाबाद ब्युरो
चक्रेश जैन
नोएडा ब्युरो
राजेश शर्मा
हापुड ब्युरो
मनोज चावल
मेरठ ब्युरो
रोहताश भैया
आगरा ब्युरो
केशव प्रसाद सिंह
मथुरा ब्युरो
उपेन्द्र अग्रवाल
लखनऊ ब्युरो
सतीश कुमार सिंह
चंदौली ब्युरो
अफसर 'सागर'
देहरादून ब्युरो
चन्द्रशेखर जोशी

ऐतिहासिक पर्यटन स्थल है विजयनगर

अगर आप पर्यटन के साथ ही ऐतिहासिक स्थलों को देखने में भी रुचि रखते हैं तो कर्नाटक के विजयनगर आइए। दक्षिण रेलवे के हा.सपेट रेलवे स्टेशन से 12 किलोमीटर की दूरी पर विजयनगर नामक गांव है। यह गांव मध्य युग में एक विशाल हिंदू साम्राज्य की राजधानी था। इस साम्राज्य के अंतर्गत दक्षिण भारत का अधिकांश भाग था। इसके अधीन साठ बंदरगाह थे। उनसे विभिन्न देशों को काफी आयातनिर्यात होता था। मसालों और सूती वस्त्रों के व्यापार पर विजयनगर का एकाधिकार था।

यहां के राजाओं का विशेष खजाना स्वर्ण मुद्राओं से भरा रहता था। खजाने में हमेशा धन जमा किया जाता था। वहां से धन कभी निकाला नहीं जाता था। इस राज्य ने 250 वर्षों तक दक्षिण भारत के चार मुसलमानी राज्यों

अहमदनगर, गोलकुंडा, बीदर और बीजापुर को आगे नहीं बढ़ने दिया। इन राजाओं के शासकों ने कई बार विजयनगर पर हमला किया, लेकिन उन्हें सदैव मुंह की खानी पड़ी। यही नहीं विजयनगर ने उनकी मिल.जुली सेनाओं या अलगअलग सेनाओं को हमेशा जबरदस्त शिकस्त दी।

अंत में चारों मुस्लिम शासित राज्यों ने विजयनगर के विरुद्ध एक महागठबंधन बनाया। उन्होंने आपसी विवाह संबंधों से गठबंधन को मजबूत बनाया।

फिर उन्होंने एक विशाल सेना के साथ इस्लाम की पुन.स्थापना के लिए विजयनगर पर आक्रमण किया। दोनों सेनाओं के बीच राक्षसी और तांगड़ी गांवों के मैदान में 23 जनवरी 155 के दिन निर्णायक युद्ध हुआ। विजयनगर के 90 वर्षीय सेना.पति आलिया राम राय पकड़े गए और कत्ल कर दिए गए।

तीसरे दिन विजयी सेनाओं ने विजयनगर में प्रवेश किया। उन्होंने उसे पांच महीनों तक लूटाखसोटा, उसमें आग लगाई, निदर्यता के साथ राजप्रासादों, सरकारी इमारतों, निजी घरों और मंदि.रों की कुल्हाड़ियों, हथौड़ों और संबल से तोड़ा।

गुप्त धन निकालने के लिए अधिकांश घरों के फर्श खोद दिए गए। भूवैज्ञानिक न्यू बोल्ड को 1845 में 120 वर्ग मील क्षेत्र में विजयनगर साम्राज्य की राजधानी विजयनगर के अवशेष मिले। इस समय भी 60 वर्गमील क्षेत्र में राजधानी और उसके उपनगरों के अवशेष दिखाई देते हैं। इनमें से 25 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को विश्व विरासत स्थल घोषित किया गया है।

नगर में अब केवल एक मंदिर की पूजा होती है। इसे विरूपाक्ष मंदिर या परम्पति मंदिर कहते हैं। यह मंदिर बड़े सुंदर, प्राकृतिक परिवेश में स्थित है। हेमकूट पर्वत से इसका अत्यंत सुंदर, विहंगम दृश्य नजर आता है।

यहां देखने लायक बहुत कुछ है लेकिन वह इतने बड़े क्षेत्र में फैला है कि उसे एक या दो दिन में नहीं देखा जा सकता। इसे देखने और समझने के लिए पांचछह दिन चाहिए। यहां के दर्शनीय स्थलों में हजार राम मंदिर भी प्रमुख है। यह विजयनगर के नरेशों का निजी मंदिर था। इसकी दीवारों और स्तंभों पर रामायण की कथा अंकित की गई है। दूसरा मनोहारी मंदिर विट्ठल मंदिर है। विजयनगर शैली में बना यह मंदिर दर्शनीय है।

लाइफ की तो लग गई बोरिंग पिक्चर

इस सप्ताह प्रदर्शित लाइफ की तो लग गई देखने यदि आप गये तो समझिये आपके श्टाइम और पैसे की लग गईश। फिल्म के प्रदर्शन से पहले इसे कामेडी फिल्म कहा जा रहा था लेकिन जब पर्दे पर फिल्म आई तो यह कुछ और ही निकली। कामेडी के नाम पर जो कुछ फिल्म में डाला गया है वह सिर्फ खिझाता भर है। कहानी में चार पात्र तो डाल दिये गये लेकिन सबको ऐसा उलझा दिया गया कि दर्शकों को फिल्म देखकर सिर्फ निराशा ही हाथ लगेगी।

सलमान (के.के. मेनन) के मन में अपने माता पिता की हत्या का बदला लेने की आग बरसों से धधक रही है। बड़ा होकर वह अपने लक्ष्य को पाने के लिए मुंबई आता है। फिल्म में दूसरी पात्र के रूप में मौजूद डॉली (नेहा भसीन) का सपना अभिनेत्री बनने का है और वह उसे पूरा करने के लिए मुंबई आती है। तीसरा पात्र एसीपी चौटाला (मनु ऋषि) है जिसका तबादला मुंबई के क्राइम ब्रांच में हो जाता है और वह अपना कार्यभार संभालने के लिए मुंबई आता है। चौथा पात्र अमोल गांगुली (रणवीर शौरी) है जोकि अपनी गर्लफ्रैंड की तलाश में मुंबई आता है। इन चारों की जिंदगी की कहानी अलग अलग ट्रैक पर चलती रहती है।

अभिनय के मामले में कुछ हद तक मेनन और शौरी ने प्रभावित किया। मनु ऋषि और नेहा भसीन से निर्देशक अच्छा काम नहीं ले सके। कहानी के मोर्चे पर फिल्म बुरी तरह निराश करती है। फिल्म का गीतसंगीत भी प्रभावित करने में विफल रहा। निर्देशक ने फिल्म को सेक्स, मर्डर जैसे मसाले डालकर अच्छा बनाना चाहा लेकिन पटकथा पर ज्यादा ध्यान नहीं दिया जिससे उनकी फिल्म दर्शकों को शायद ही पसंद आएगी। फिल्म में चौटाला के किरदार में हालांकि मनु ऋषि के संवाद जरूर लोगों को गुदगुदाने में सफल रहे।

'विन्येट एन रूट' रोमांचक यात्रा संस्मरण

बिनय कुमार मुखोपाध्याय यानी जाजाबोर की ताजा कृति 'विन्येट एन रूट' यों तो यात्रा संस्मरण की पुस्तक है, लेकिन अपनी शैली और कहन के ढंग की वजह से यह एक अलग तरह की किताब है। यात्रा संस्मरण लिखने की रिवायत हिंदी में तो कम से कम खत्म ही होती जा रही है, इसलिए अंग्रेजी में इस तरह की किताब पढ़ने का अलग ही लुत्फ है। दरअसल किताब का नाम ही अलग तरह का आकर्षण पैदा करता है 'विन्येट एन रूट' यानी रास्ते में चलते हुए शब्दचित्रों को गढ़ना। रास्ते में चलते हुए बेलबूटे बनाना या शब्दों के जरिए एक नई दुनिया का सृजन करना दिक्कत भरा तो है लेकिन इस दिक्कत में एक अलग तरह का रोमांच है और जाजाबोर ने इस रोमांच को अपने शब्दों के जरिए पाठकों तक पहुंचाया है।

यह जानना भी कम दिलचस्प नहीं है कि यह कृति मूल रूप से बांग्ला में प्रकाशित हुई थी और यह किताब बांग्ला का अनुवाद है। हिंदी में जब यात्रा संस्मरण लिखना लगभग खत्म–सा हो गया है तब मूल बांग्ला से अनूदित यह कृति हमसे एक अलग तरह से सरोकार बनाती है।

जाजाबोर का यह यात्रा संस्मरण बांग्ला में 'दृष्टिपात' नाम से काफी पहले प्रकाशित हुआ था और अपने शिल्प, कथ्य और प्रयोग की वजह से बांग्ला पाठकों में काफी लोकप्रिय भी हुआ था। आलोकोज्जल बनर्जी ने अब इसका अंग्रेजी अनुवाद हमारे सामने पेश किया है।

दिलचस्प बात यह है कि इस यात्रा संस्मरण में लेखक महज सूत्रधार की भूमिका में ही है। इस यात्रा संस्मरण में वह कहीं नहीं है लेकिन अपनी मौजूदगी का अहसास वह बराबर कराता है। दरअसल पूरी किताब उन पत्रों को आधार बना कर लिखी गई है, जिसे एक युवक ने अपनी महिला मित्र को गाहे–बगाहे लिखा था। उन पत्रों में तबकी दिल्ली का जिक्र है, जब दिल्ली में इतनी भीड़भाड़ नहीं होती थी। दूसरे विश्व युद्ध से पहले 1936 में बंगाल का एक युवक कानून की पढ़ाई पढ़ने के लिए लंदन गया था। लेकिन विश्व युद्ध की वजह से उसे स्वदेश लौटना पड़ा। दिल्ली प्रवास के दौरान ही इंग्लैंड के एक समाचारपत्र ने उन्हें यहां मुख्य संवाददाता बना डाला। लंदन प्रवास के दौरान ही वह युवक उस अखबार में कभी–कभार लिखा करता थाा। दिल्ली में रहते हुए उस युवक ने अपनी महिला मित्र को कुछ पत्र लिखे थे। उन्हीं पत्रों को आधार बना कर यह पुस्तक लिखी गई है। युवक की कुछ बहुत ही निजी और पारिवारिक बातों को छोड़ कर उन पत्रों को पुस्तक में जस का तस रखा गया है। लेखक ने कुछ नाम और जगहों को लेकर जरूर कुछ बदलाव किया है ताकि इनकी विश्वसनीयता पर किसी तरह का सवाल नहीं खड़ा हो।

किताब में कोलकाता की झलक भी मिलती है। दमदम हवाई अड्डे का जिक्र है तो चौरंगी की भीड़भाड़ भी है। और संदेस की मिठास तो किताब के पन्नों पर बिखरी हुई है। तब की दिल्ली ही हर पन्ने पर दिखाई देती है। कनाट प्लेस की कोलकाता के चौरंगी से तुलना करते हुए लेखक ने यहां की इमारतों के वास्तुशास्त्र को बेहतर ढंग से समझाया है। यह यात्रा पुस्तक दिल्ली के पुराने दिनों को हमारे सामने ला खड़ी करता है। पुस्तक में काली मंदिर, बिड़ला मंदिर और लक्ष्मीनारायण मंदिरों का ब्योरा भी मिलता है। लक्ष्मीनारायण मंदिर के निर्माण से जुड़ी बातें कुछ नई जानकारी देती हैं। किताब में इस बात का जिक्र भी है कि मंदिर का उद्घाटन गांधी जी ने किया था। हजरत निजामुद्दीन की दरगाह से जुड़ी बातें किताब में मिलती हैं तो अंग्रेजी शासकों के साथ–साथ मुगल शाहजादी जहांआरा और जेबुंनिसां की चर्चा भी की गई है। जाहिर है कि इतिहास के पन्ने को भी खंगाला गया है। और यही इतिहास किताब को विश्वसनीय बनाता है।

पुस्तकः वीन्येट एन रूट (यात्रा संस्मरण)।

लेखक : जाजाबोर।

प्रकाशकरू नियोगी बुक्स, डी–78, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया फेज–1, नई दिल्ली–110020।

मूल्यरू 295 रुपया।

बुलेट ट्रेन से प्रेरित है तेज

हॉलीवुड फिल्म बुलेट ट्रेन से प्रेरित है इस सप्ताह प्रद.र्शित तेज। यदि आपने मूल फिल्म नहीं देखी है तभी आपको तेज पसंद आएगी। फिल्म आपको कुछ कुछ द बर्निंग ट्रेन जैसी भी लगेगी। पहले इस फिल्म का नाम बुलेट ट्रेन ही रखा जा रहा था लेकिन बाद में बदलकर इसे श्तेजश कर दिया गया। फिल्म की कहानी जिस रफ्तार से दौड़ती है उस पर यह नाम बिल्कुल फिट बैठता है। निद.शक प्रियदर्शन ने फिल्म को हॉलीवुड स्टाइल में ही बनाया है जिससे दर्शकों पर यह निश्चित रूप से प्रभाव छोड़ेगी।

फिल्म की कहानी का केंद्र आकाश राणा (अजय देवगन) है। वह निकिता (कंगना राणावत) से प्यार करता था। लेकिन ब्रिटिश अधिकारी उन्हें इस तरह प्रताड़ित किया कि उनकी जिंदगी एकदम से बदल जाती है। अब इंतकाम की आग में झुलस रहा राणा ब्रितानियों को सबक सिखाना चाहता है। उसे चार साल बाद मौका मिलता है और वह ब्रिटेन के ग्लासगो स्टेशन से लंदन जा रही बुलेट ट्रेन में सवार लोगों की जिंदगी को दांव पर लगा देता है। बुलेट ट्रेन पर खतरे की बात जानकर ब्रिटिश अधिकारियों में हड़कंप मच जाता है और बुलेट ट्रेन को रोकने की जिम्मेदारी काउंटर टेररिज्म कमांडर अर्जुन खन्ना (अनिल कपूर) तथा केबिन डिपार्टमेंट के प्रमुख संजय (बोमन ईरानी) को सौंपी जाती है। संजय इस केस को लेकर निजी तौर पर परेशानी में तब पड़ जाता है जब उसे पता चलता है कि उसकी बेटी भी उसी ट्रेन में सफर कर रही है। अर्जुन ट्रेन को रोकने की कोशिशों में जुट जाता है इसी बीच उसे पता चलता है कि ट्रेन में विस्फोटक लगाने के पीछे भारतीय मूल के आकाश राणा का हाथ है। वह आकाश राणा की जिंदगी के बारे में पता लगाता है तो उसे उसके साथ हुए बुरे बर्ताव के बारे में पता चलता है। आखिरकार काफी प्रयासों के बाद अर्जुन की मेहनत रंग लाती है।

अभिनय के मामले में अनिल कपूर सब पर भारी पड़े हैं। बोमन ईरानी का भी जवाब नहीं। अजय देवगन को दर्शक पहले भी ऐसे गुस्सैल अंदाज वाले रोल में देख चुके हैं। इस बार भी उनका काम अच्छा था। कंगना राणावत ने भी प्रभावित किया। समीरा रेड्डी और मोहन लाल का काम भी ठीकठाक रहा। फिल्म में मल्लिका शेरावत का आइटम सांग जबरन ठूंसा गया है। फिल्म का संगीत भी अच्छा बन पड़ा है खासकर बैकग्राउंड म्यूजिक काफी अच्छा है। निर्देशक प्रियदर्शन ने श्तेजश के जरिये साबित किया कि उन्हें सिर्फ कामेडी फिल्में बनाने में ही सिद्धहस्त नहीं माना जाना चाहिए।

कलाकार अनिल कपूर, अजय देवगन, बोमन ईरानी, मोहन लाल, समीरा रेड्डी, कंगना राणावत और मेहमान भूमिका में मल्लिका शेरावत।

गीत शब्बीर अहमद।

संगीत साजिद वाजिद।

पार्टी विद ए डिफरेंस के दावे का यह कैसा हश्र?

भारतीय जनता पार्टी ने कभी यह नहीं सोचा होगा कि पार्टी विद ए डिफरेंसश का उसका दावा कभी उसे भारी पड़ने लगेगा। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष बंगारू लक्ष्मण को रिश्वत लेने का दोषी पाते हुए अदालत ने चार साल की सजा सुनाई है और एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। इस तरह भारतीय राजनीति के इतिहास में यह एक रिकॉर्ड बन गया है कि किसी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रहे व्यक्ति को भ्रष्टाचार के मामले में सजा सुनाई गई। सीबीआई अदालत के इस आदेश को चुनौती देने की बात कही जा रही है लेकिन इस प्रकरण से भाजपा की छवि को जो नुकसान होना था वह तो हो ही चुका।

बोफोर्स कांड को लेकर हालिया खुलासे के बाद सरकार के खिलाफ संसद में हंगामा करने वाली भाजपा मात्र दो दिन बाद ही रक्षात्मक मुद्रा में देखने को मिली तो कांग्रेस के चेहरे पर मुस्कान आना स्वाभाविक था। जहां भाजपा यह कह कर पल्ला झाड़ रही है कि इस मामले में पार्टी वह नहीं बल्कि बंगारू लक्ष्मण हैं वहीं कांग्रेस ने भाजपा को आत्मचिंतन और अपने गिरेबां में झांकने की सलाह दी है। उधर, अपनी सफाई में भाजपा का यह भी कहना है कि उसने तो मामला सामने आते ही तत्काल कार्रवाई करते हुए बंगारू लक्ष्मण को पद से हटा दिया था लेकिन वह इस बात पर सफाई नहीं दे पा रही है कि बंगारू इस समय पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य कैसे बने हुए थे।

अदालत का फैसला आने के तुरंत बाद पार्टी के वरिष्ठ नेता बंडारू दत्तात्रेय टीवी चौनलों पर यह बयान देते हुए देखे गये कि बड़े–बड़े घोटालेकर्ता बचे हुए हैं और बंगारू को यूपीए सरकार ने फंसा दिया। इसके अलावा पार्टी के प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने कहा कि कांग्रेस एक लाख रुपए के कथित भ्रष्टाचार पर हल्ला मचा रही है और लाखों करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार पर चुप्पी साधे हुए है। इन बयानों पर कहा जा सकता है कि मामला एक लाख रुपए रिश्वत लेने और एक लाख करोड़ का घोटाला करने के बीच तुलना का नहीं है। भ्रष्टाचार तो भ्रष्टाचार है चाहे वह एक रुपए का ही क्यों न हो। यदि बंगारू लक्ष्मण इसके दोषी हैं तो वह वाकई सजा के हकदार हैं। अदालत के इस फैसले से स्टिंग ऑपरेशनों को भी एक तरह से वैधानिक मान्यता मिल गयी है। गौरतलब है कि बंगारू लक्ष्मण ने तहलका टीम से हथियारों का सौदा करवाने के लिए एक लाख रुपए की रिश्वत ली थी। इसके एवज में भरोसा दिलाया था कि वह रक्षा मंत्रालय को कंपनी से सौदा करने की सिफारिश करेंगे।

जब यह स्टिंग आपरेशन सामने आया था तब भी भाजपा और तत्कालीन राजग सरकार के लिए भूचाल आ जाने जैसी स्थिति निर्मित हो गयी थी और अब भी हालात जुदा नहीं हैं। बंगारू को सजा से भ्रष्टाचार खासकर रक्षा सौदों में कथित अनियमितता मामले में संप्रग सरकार को संसद और संसद के बाहर घेर रही भाजपा का अभियान प्रभावित हो गया है। पार्टी के लिए यह बड़ी अजीब स्थिति है कि वह जब भी कांग्रेस को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरती है तब तब उसके भी ऐसे मामले सामने आ जाते हैं जोकि उसकी करनी और कथनी में फर्क के आरोपों को बल प्रदान करते हैं। पिछले दिनों 2जी घोटाले पर सरकार को घेरने के लिए पार्टी के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी ने भ्रष्टाचार के विरोध में देश भर में रथयात्रा निकाली तो उसके कुछ समय बाद ही करोड़ों रुपए के घोटाले के आरोपी उत्तर प्रदेश के पूर्व मंत्री बाबूसिंह कुशवाहा को पार्टी में शामिल कर लिया गया। आदर्श हाउसिंग सोसायटी घोटाले में जब महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद से अशोक चव्हाण के इस्तीफे की मांग भाजपा ने तेज की तभी कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा का नाम लोकायुक्त की अवैध खनन संबंधी जांच रिपोर्ट में आ गया। अब जब भाजपा सेना के टाट्रा ट्रकों की खरीद में अनियमितता तथा बोफोर्स मामले को लेकर सरकार के खिलाफ हल्ला बोल रही थी ऐसे में बंगारू लक्ष्मण को सजा सुनाया जाने से उसके सारे गणित गड़बड़ा गये हैं और निश्चित रूप से संसद में वह दबाव की स्थिति में होगी।

भाजपा ने तो बड़ी ही सोची समझी रणनीति के तहत सोशल इंजीनियरिंग के फार्मूले के तहत तत्कालीन रेल राज्य मंत्री बंगारू लक्ष्मण को पार्टी का अध्यक्ष बना कर दलितों की हितैषी होने की छवि बनाने का प्रयास किया था। उम्मीद की थी कि जल्द होने वाले उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों के विधानसभा चुनावों में इससे मदद मिलेगी। लेकिन पार्टी की सारी उम्मीदों पर तब पानी फिर गया जब स्टिंग आपरेशन में बंगारू लक्ष्मण एक लाख रुपए की रिश्वत लेते दिखाये गये। खुद बंगारू के लिए भी यह पूरा प्रकरण खासा नुकसानदेह रहा। आंध्र प्रदेश से ताल्लकु रखने वाले बंगारू कभी भी जननेता नहीं रहे। वह 1996 में राज्यसभा के लिए चुने गये थे और उनकी राजनीतिक रूप से लाटरी तब लगी जब 1999 के लोकसभा चुनावों के बाद वाजपेयी सरकार को समर्थन देने वाले चंद्रबाबू नायडू ने अपनी पार्टी के सरकार में शामिल होने से इंकार कर दिया। ऐसे में राज्य को प्रतिनिधित्व देने और राज्य में पार्टी का आधार बढ़ाने में मददगार कदम के तहत बंगारू को राज्यमंत्री के ओहदे से नवाजा गया। इसके कुछ समय बाद कुशाभाउ ठाकरे का अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल खत्म होने पर उन्हें पार्टी का अध्यक्ष बना दिया गया। 1975 में आपातकाल के दौरान जेल में रहे बंगारू ने भी कभी सोचा नहीं होगा कि कभी उन्हें भ्रष्टाचार के मामले में भी जेल आना होगा।

बहरहाल, इस पूरे मामले में अदालत ने अपने फैसले के जरिए जो संदेश देने का प्रयास किया है वह यह है कि भ्रष्टाचार किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं होगा। अदालत ने अपना फैसला सुनाते हुए कहा कि समाज में श्सब चलता हैश के रवैये को खत्म करना होगा। निश्चित रूप से राजनीतिक भ्रष्टाचार को रोकने की दिशा में यह फैसला मील का पत्थर साबित होगा। लेकिन देखना होगा कि इस फैसले से हमारे नेता अथवा लोग क्या सीख लेते हैं। नेता चाहे किसी भी पार्टी का हो यदि वह कोई गलत कृत्य करता है तो उसके एक कदम से पार्टी से जुड़े कार्यकर्ताओं का सिर नीचा हो जाता है क्योंकि ब्लॉक स्तर पर पार्टी को मजबूत बनाने का काम कार्यकर्ता ही करते हैं ऐसे में लोगों के ताने भी उन्हें ही सुनने को मिलते हैं।

मायावती ने की पदोन्नति में आरक्षण की मांग

नई दिल्ली। बसपा प्रमुख मायावती ने आज केंद्र से संसद के वर्तमान सत्र में एक संविधान संशोधन विधेयक लाने की मांग की ताकि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति के सरक. ारी कर्मचारियों को पदोन्नति में आरक्षण दिया जा सके। राज्यसभा की बैठक शुरू होने पर बसपा के सतीश चंद्र मिश्र ने कहा कि उनकी पार्टी ने पदोन्नति में अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्गों के लिए आरक्षण को पलट देने के उच्चतम न्यायालय के फैसले संबंधी मुद्दे को उठाने के उद्देश्य से प्रश्नकाल निलंबित करने का नोटिस दिया है। मिश्र ने सभापति हामिद अंसारी ने अनुरोध किया कि वह उनकी पार्टी की नेता को यह मुद्दा उठाने की अनुमति दें। अंसारी ने उनका अनुरोध स्वीकार कर लिया।

मायावती ने कहा कि वर्ष 2006 में इंदिरा साहनी मामले में उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद संविधान में एक संशोधन किया गया था जो पदोन्नति में आरक्षण जारी रखने का प्रावधान करता है। बहरहाल, बसपा प्रमुख ने कहा कि इसके बाद अलग अलग अदालतों के फैसलों से आरक्षण की व्यवस्था प्रभावित हुई। उन्होंने कहा कि पहले राजस्थान के मामले में और फिर 27 अप्रैल को उत्तर प्रदेश के मामले में न्यायालय ने व्यवस्था दी कि पदोन्नति में आरक्षण असंवैधानिक है। न्यायालय ने अनुसूचित जाति, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्गों को उच्च पदों में पदोन्नति में आरक्षण का लाभ देने के उत्तर प्रदेश सरकार के फैसले को पिछले सप्ताह खारिज कर दिया था। साथ ही न्यायालय ने कहा था कि सरकार जाति के आधार पर कर्मचारियों को पदोन्नति देने के कदम के पक्ष में समुचित आंकड़े नहीं पेश कर पायी।

उच्चतम न्यायालय ने कहा था कि यह व्यवस्था एम नागरा और इंदिरा साहनी तथा अन्य मामलों में संविधान पीठों के फैसलों के विपरीत है। न्यायालय के अनुसार, पदोन्नति में आरक्षण तब ही दिया जा सकता है जब इसकी जरूरत को जायज ठहराने के लिए समुचित आंकड़े और प्रमाण हों। मायावती ने कहा कि अगर यह व्यवस्था नहीं बदली गई तो अनुसूचित जाति एवं जनजाति के कर्मचारियों को उनके मूल पदों पर वापस आना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार के लिए संसद के वर्तमान सत्र में एक संविधान संशोधन विधेयक लाना अत्यंत महत्वपूर्ण है ताकि न्यायालय की व्यवस्था को निष्प्रभावी बनाया जा सके। बसपा प्रमुख ने कहा कि संविधान संशोधन संविधान की नौवीं अनुसूची के तहत किया जाना चाहिए। उन्होंने इस संबंध में विपक्षी दलों से सहयोग का आग्रह किया। मायावती ने कहा ''अगर सरकार को संविधान संशोधन की खातिर हमारा सहयोग चाहिए तो हमारी पार्टी इसके लिए तैयार है।'' उन्होंने इस मुद्दे पर चर्चा कराए जाने की भी मांग की। इस पर संसदीय मामलों के मंत्री पवन कुमार बंसल ने कहा कि अगर नो. टिस दिया जाए तो इस पर सरकार चर्चा के लिए तैयार है। मायावती ने कहा कि उनकी पार्टी नोटिस देगी और इस पर चर्चा बुधवार को कराई जा सकती है।

चंडीगढ़ में दवा इकाई संयंत्र में विस्फोट, 4 मरे

चंडीगढ़। चंडीगढ़ के निकट बसौली गांव में एक प्रमुख दवा कंपनी के रसायनिक संयंत्र में आज हुए विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गयी और 15 अन्य घायल हो गये। मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जीपीएस भुल्लर ने बताया कि यह विस्फोट दवा इकाई के संयंत्र में हुआ। यहां पर एंटीबॉयोटिक बनायी जाती है। इस घटना में 15 लोग घायल हो गये। मृतकों की अब तक पहचान नहीं हो पायी है । जिस समय यह हादसा हुआ उस वक्त संयंत्र में कुल 31 व्यक्ति काम कर रहे थे और दो व्यक्ति लापता हैं। वरिष्ठ लोक प्रशासन के अधिकारियों के साथ घटनास्थल पर पहुंचे भुल्लर ने बताया कि घायलों के इस इलाके के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

आमिर का शो दो चैनलो पर

नई दिल्ली । बॉलीवुड के सुपरस्टार आमिर खान का पहला टीवी शो 'सत्यमेव जयते' ऐसा पहला मनोरंजक कार्यक्रम होने जा रहा है जो कि 6 मई से एक निजी चौनल और दूरदर्शन दोनों पर दिखाया जाएगा। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक, पहले 'सत्यमेव जयते' को रविवार को सिर्फ निजी चौनल स्टार प्लस पर ही प्रसारित करने का विचार था लेकिन आमिर अपने शो के लिए ज्यादा से ज्यादा दर्शक चाहते थे। इसलिए इस शो को स्टार प्लस के साथ–साथ दूरदर्शन पर भी प्रसारित करने के लिए प्रसार भारती से बात की गई।

एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक, ऐसा पहली बार है कि इस तरह का मनोरंजक कार्यक्रम एक ही समय पर दूरदर्शन के साथ–साथ एक निजी चौनल पर भी प्रसारित होगा। अभी तक ऐसा सिर्फ खेल कार्यक्रमों तक ही सीमित था।'' कार्यक्रम को तो ज्यादा बड़े दर्शक वर्ग के साथ–साथ ज्यादा प्रचार मिलेगा ही, इसके साथ ही प्रसार भारती को भी काफी आमदनी होगी। अधिकारी के अनुसार, ''साधारणतया दूरदर्शन के

लिए रविवार सुबह 11 बजे का स्लॉट कुछ खास नहीं होता लेकिन आमिर के शो का मतलब है कि लगभग एक करोड़ का राजस्व विज्ञापनों से मिल जाएगा।

साइबर अपराध की संख्या में वृद्धि हुई: चिदंबरम

नई दिल्ली । गृह मंत्री पी चिदंबरम ने आज कहा कि साइबर अपराध से निपटने के लिए कानून प्रवर्तन एजेंसियों को तेजी से अपनी क्षमता बढ़ानी चाहिए, क्योंकि ऑनलाइन अपराधों की संख्या में भारी बढ़ोतरी देखी जा रही है। सॉफ्टवेयर क्षेत्र के संगठन नासकॉम द्वारा साइबर सुरक्षा पर तैयार रिपोर्ट को यहां जारी करते हुए चिदंबरम ने कहा, ''ढांच. ागत सुविधाओं के संरक्षण के लिए हमला. गों ने काफी कुछ किया है। मुझे लगता है कि साइबर क्षेत्र से जब तक डर बना हुआ है तब तक ढांचागत सुविधाओं की सुरक्षा का काम पूरा नहीं हो पाएगा।''

उन्होंने कहा कि 'साइबर क्षेत्र में अपराधों की संख्या में भारी बढ़ोतरी हुई है।श पहचान की चोरी, हैकिंग, वित्तीय फर्जीवाड़ा आदि जैसे मामले बढ़ रहे हैं। मंत्री ने कहा, ''राष्ट्रीय सुरक्षा के लिहाज से यह एक महत्वपूर्ण रिपोर्ट है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को इस तरह के नए अपराधों से निपटने के लिए तेजी से अपनी क्षमता बढ़ानी चाहिए।'' नासकॉम और डाटा सिक्युरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया' द्वारा तैयार 'अपने साइबर सीमाओं की सुरक्षा' रिपोर्ट में साइबर सुरक्षा के लिए एक राष्ट्रीय ढांचे के निर्माण की सलाह दी गई है। इसके अलावा मौजूदा सभी सूचना स्रोतों के एकीकरण के लिए एक नेशनल थ्रेट इंटे. लिजेंस सेंटर की स्थापना की बात भी कही गई है। चिदंबरम ने कहा कि कुछ सिफारिशों का सरकार संचालित पहलों से अतिव्यापन होता है। उन्होंने कहा, ''इस संबंध में चर्चा हई है और हम साइबर सुरक्षा के लिए राष्ट्रीय ढांचे के निर्माण के अंतिम चरण में हैं। हम नेशनल थ्रेट इंटेलिजेंस सेंटर की स्थापना पर भी विचार कर रहे हैं।

नाराज विपक्ष ने लोकसभा से किया वाकआउट

नई दिल्ली। लोकसभा में आज देश में गेहूं की बंपर फसल होने के बावजूद सरकार की ओर से उसकी खरीद की उचित व्यवस्था नहीं किये जाने का मामला उठा और उक्त संबंध में सरकार की ओर से कोई आश्वासन नहीं दिये जाने के चलते समूचे विपक्ष सहित सरकार को बाहर से समर्थन दे रहे राजद ने सदन से वाकआउट किया। राज्यसभा में भी भाजपा ने इस मामले को उठाया। जदयू के शरद यादव ने शून्यकाल में यह मामला उठाते हुए कहा कि पिछले तीन साल से देश का औद्योगिक उत्पादन और सकल घरेलू उत्पाद लगातार कम होता जा रहा है और ये किसान ही हैं जिनकी फसलों का उत्पादन लगातार बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि गेहूं की रिकार्ड 10 करोड़ 34 लाख टन और धान की नौ करोड़ 2 लाख टन का उत्पादन हुआ लेकिन इसकी खरीद की कोई व्यवस्था नहीं होने से देशभर के किसान त्राहि–त्राहि कर रहे हैं। यादव ने कहा कि देश में गोदाम पहले से भरे हुए हैं और गोदामों की क्षमता नहीं बढ़ाये जाने के कारण नयी फसल की खरीद नहीं हो पा रही है, जिससे मंडियों और खलिहानों में अनाज सड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि यही नहीं उत्तर प्रदेश और मध्य प्रदेश आदि में अनाज को भरने के लिए बोरे तक उपलब्ध नहीं हैं। जदयू नेता ने कहा कि स्थिति पर काबू पाने के लिए सरकार एक विशेष समिति का गठन करे और वार रूम बनाये। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल को इस संबंध में तत्काल फैसला करना चाहिए। उनकी बात और मांग का भा. जपा के कीर्ति आजाद, अकाली दल के रतन सिंह अजनाला एवं हरसिमरत कौर बादल, माकपा के वासुदेव आचार्य, राजद के लालू प्रसाद और बसपा के दारा सिंह चौहान आदि ने समर्थन किया।

विपक्ष की नेता सुषमा स्वराज ने सरकार की ओर से इस बारे में कोई आश्वासन नहीं दिये जाने पर सख्त आ. पत्ति जताते हुए कहा कि सदन के सदस्य बार–बार किसानों की समस्या को उठा रहे हैं लेकिन सरकार की ओर से जवाब तक नहीं दिया जा रहा है। सरकार के इस रवैये पर उन्होंने सदन से वाकआउट का ऐलान किया, जिस पर राजग समेत वामदलों, बीजद और राजद के सदस्यों ने वाकआउट किया।

उच्च सदन में भाजपा के थावर चंद गहलोत ने मध्य प्रदेश में गेहूं खरीद से जुड़ी समस्याओं को उठाते हुए केंद्र सरकार पर आरोप लगाया कि पर्याप्त बोरे उपलब्ध नहीं हो पाने के कारण राज्य में जहां एक ओर गेहूं की खरीद रुक गयी है वहीं सरकारी एजेंसियों द्वारा खरीदा गया गेहूं खुले में पड़ा है। राज्यसभा में शून्यकाल में गहलोत ने यह मुद्दा उठाते हुए कहा कि मध्य प्रदेश में इस बार गेहूं की बंपर फसल हुई है। राज्य सरकार गेहूं की खरीद पर किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य के अलावा 100 रुपये दे रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने केंद्र से वारदाना की 88 हजार गांठें मांगी थीं लेकिन अप्रैल माह के अंत तक उसे मात्र 17 हजार गांठें उपलब्ध कराई गयीं। गहलोत ने कहा कि पर्याप्त वारदाना नहीं होने के कारण पिछले 15 दिन से राज्य में गेहूं की खरीद रुक गयी है और साथ ही पहले खरीदा गया खुले में पड़ा सड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि गेहूं की खरीद नहीं होने से जहां देश की अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंच रहा है वहीं किसान भी परेशान हो रहा है। केंद्र को फौरन मध्य प्रदेश में वारदाना भिजवाना चाहिए।

लोकसभा में शून्यकाल में ही भाजपा के नारायण भाई कथीरिया ने गुजरात के कपास किसानों की परेशानियों का मामला उठाया। उन्होंने कहा कि एक ओर मंडी में कपास के खरीददार नहीं हैं दूसरी ओर सरकार ने इसके निर्यात पर रोक लगा रखी थी। उन्होंने कहा कि इसके चलते कपास किसान बेतहाशा बदहाली का सामना कर रहे हैं।

2जी: सिब्बल ने दोहराई 'जीरो लॉस' की बात

जालंधर। 2जी स्पेक्ट्रम मामले में 'जीरो लॉस' (कोई राजस्व हानि नहीं) की अपनी बात दोहराते हुए केंद्रीय दूर संचार मंत्री कपिल सिब्बल ने कहा कि नीलामी के संबंध में जब कोई नीति ही नहीं थी तो इसमें नुकसान होने का सवाल ही नहीं उठता। हमने पूववर्ती सरकार के नियमों का ही पालन किया। पंजाब के जालंधर में रविवार को शहीदों के परिजनों की मदद के लिए आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने आये केंद्रीय दूरसंचार मंत्री कपिल सिब्बल ने समारोह से इतर कहा, ''मैं 2जी स्पेक्ट्रम के मामले में 'जीरो लॉस' के बयान पर अभी कायम हूं। इसमें कोई घाटा नहीं हुआ। इस बारे में जब कोई नीति बनी ही नहीं थी तो घाटा कैसे हो सकता है।''

सिब्बल ने कहा, ''2जी स्पेक्ट्रम 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर वितरित किये गए और यह नीति पूर्ववर्ती राजग सरकार की है। हमने उसी नीति का पालन किया है। इसमें घाटा होने का कोई सवाल ही नहीं है।'' केंद्रीय मंत्री ने भाजपा की अगुवाई वाली पूर्ववर्ती राजग सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि अगर ऐसा है तो यह घाटा पहले से हो रहा है जब राजग सरकार ने ऐसी नीति बनायी थी। इसके लिए पिछली सरकार भी जिम्मेदार है। गौरतलब है कि भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार परीक्षक ने कहा था कि वर्ष 2008 में 2जी स्पेक्ट्रम की नीलामी न होने से सरकार के खजाने को अधिकतम एक लाख 76 हजार करोड़ रुपये के संभावित राजस्व से वंचित होना पड़ा। इस रपट के बाद सिब्बल ने कैग के आंकड़े को आधारहीन करार देते हुए 'जीरो लॉस' की बात कही थी।

स्पेक्ट्रम की नयी नीलामी के बारे में भारतीय टेलिकॉम रेगुलेटरी अथारिटी की हाल की सिफारिशों के बारे में पूछे जाने पर सिब्बल ने कहा, ''ट्राई की सिफारिश आयी है। अभी यह प्रस्ताव टेलिकॉम अथॉरिटी के पास जाएगा। इसके बाद कैबिनेट में आएगा। पहले हम देखेंगे। इसके बाद सरकार में इस पर चर्चा होगी, तब तय करेंगे कि इस संबंध में क्या करना है।'' उन्होंने हालांकि तल्ख लहजे में कहा, ''हर बात में मीडिया हल्ला मचाता है। जब स्पेक्ट्रम सस्ता दे दिया तो पूछा कि सस्ता क्यों। ट्राई की सिफा. रिश आ गयी है तो आप पूछ रहे हैं कि स्पेक्ट्रम महंगे क्यों दिये जायेंगे। या तो सरकार को तय करने दीजिए अथवा मीडिया ही तय कर ले।''

ट्राई ने प्रस्तावित नई नीलामी में 1800 मेगा हर्त्ज बैंड में पांच मेगा हर्त्ज स्पेक्ट्रम नीलाम करने की सिफारिश की है और प्रत्येक मेगा हर्त्ज स्पेक्ट्रम के लिए न्यूनतम बोली 3,622.18 करोड़ रुपए रखने की सिफारिश की है। यह 2008 में सरकार द्वारा रखी गयी आवंटन कीमत से 13 गुना ऊंची है। दूरसंचार कंपनियों का कहना है कि अगर सरकार ने यह सिफा. रिश लागू की तो मोबाइलफोन की कॉल दर में लगभग तीस फीसदी महंगी हो जाएगी।

गौरतलब है कि 2जी मामले में उच्चतम न्यायालय ने इस साल फरवरी में 122 लाइसेंस रद्द कर दिये थे जिसे पूर्व दूर संचार मंत्री ए. राजा ने पहले आओ पहले पाओ के आधार पर आवंटित किया था । इसके साथ ही न्यायालय ने ट्राई को स्पेक्ट्रम नीलामी के बारे में फिर से सिफारिश करने का भी निर्देश दिया था। इससे पहले सरकार और कांग्रेस में कथित 'विश्वसनीयता संकट' के बारे में पूछे जाने पर नाराजगी जाहिर करते हुए सिब्बल ने कहा, ''सबसे अधिक संकट उनके समक्ष है जो ऐसी बात कर रहे हैं। किसने कहा है कि कांग्रेस में विश्वास का संकट है। दरअसल यह संकट कांग्रेस में नहीं भारतीय जनता पार्टी में है और यही कारण है कि भाजपा कहीं भी नहीं टिक पा रही है

करूणानिधि बोले, कुछ नामों पर चर्चा की गई

चेन्नई। द्रमुक नेता और तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री एम करूणानिधि ने कहा है कि रक्षा मंत्री एके एंटनी के साथ मुलाकात के दौरान राष्ट्रपति चुनाव के संभावित उम्मीदवारों को लेकर कुछ नामों पर चर्चा की गई, हालांकि उन्होंने इस बारे में ज्यादा ब्यौरा देने से इंकार किया। करूणानिधि ने संवाददाताओं से कहा, ''हम एक अच्छे राष्ट्रपति की उम्मीद करते हैं। एंटनी ने कुछ नामों का प्रस्ताव दिया और मैंने भी ऐसा किया।

परंतु आपको विवरण नहीं दे सकते।''कांग्रेस नेता एंटनी ने रविवार को करूणानिधि से मुलाकात की थी और दोनों के बीच करीब एक घंटे तक बातचीत चली थी। करूणानिधि ने शुरूआत में रविवार की मुलाकात के बारे में चर्चा करने से इंकार किया, हालांकि बाद में उन्होंने यह कहा कि एंटनी के साथ उनकी राष्ट्रपति चुनाव को लेकर चर्चा हुई है। उन्होंने कहा, ''यह नहीं बता सकता कि इस बातचीत से क्या निकला है।

संवाददाताओं की ओर से जोर देने पर उन्होंने कहा कि एंटनी के साथ मुलाकात के दौरान कुछ नामों पर भी चर्चा की गई।

बिहार: सेना का विमान आपातस्थिति में उतरा

सासाराम। बिहार के रो. हतास जिले के डालमिया नगर क्षेत्र में सेना के एक छोटे प्रशिक्षण विमान को तकनीकी गड़बड़ी के कारण सुअरा हवाई पट्टी पर उतारना पड़ा। विमान को सुरक्षित उतार लिया गया। पुलिस सूत्रों के अनुसार, गया से उड़ान भरने वाला यह विमान प्रशिक्षण उड़ान पर था।

विमान में कुछ तकनीकी गड़बड़ी के चलते इसे आपात स्थिति में उतारा गया। विमान को सुरक्षित उतार लिया गया और इसकी जांच की जा रही है।

बहरहाल पुलिस सूत्रों ने बताया कि विमान में आयी तकनीकी गड़बड़ी को दूर कर दिया गया है। गया से आये विशेषज्ञों ने माइक्रोलाइट कहे जाने वाले दो सीट के प्रशिक्षण विमान के पहिये को दुरुस्त कर दिया। उन्होंने बताया कि तकनीकी गड़बड़ी ठीक होने के बाद विमान को रवाना कर दिया गया। सेना के चार विमान गया से उत्तर प्रदेश के मउ के लिए प्रशिक्षण उड़ान पर रवाना हुए थे।

ऐसा मुमकिन है कि कांग्रेस पार्टी ने अपनी डूबती नैया पार लगाने और अपनी साख बढ़ाने के मकसद से सचिन तेंदुलकर पर संसद के उच्च सदन की सदस्यता स्व. ीकारने का दबाव बनाया हा. गा।

— रामदेव

ब्लूमरीच ने सिलिकन वैली की सफलता को आगे बढ़ाया

नई दिल्ली। दृ बिग डाटा क्लाउड मार्केटिंग प्लैटफॉर्म के रचयिता ब्लूम रीच ने आज भारत में अपने विस्तार की घोषणा की और बंगलौर में एक अनुसंधान और विकास केंद्र की आधिक. ारिक शुरुआत की।

ब्लूमरीच की अभी तक की सफलता को आगे बढ़ाने वाले नए आरएंडडी सेंटर का नेतृत्व भारत में अनुसंधान इंजीनियरिंग के क्षेत्र में अग्रणी विनोद कुमार कर रहे हैं जो पहले गूगल में कई उत्पादों के लिए टेक्निकल लीडर के रूप में काम कर चुके हैं। इनमें गूगल न्यूज, गूगल एप्पस मार्केट प्लेस और गूगल इंडिया म्युजिक सर्च शामिल है।

ब्लूम रीच इंडिया के प्रमुख और डायरेक्टर ऑफ इंजीनियरिंग विनोद कुमार इंजीनियरिंग की शिखर की प्रतिभा के साथ अपनी टीम बना रहे हैं जो ब्ल. मरीच के लिए ऐसे अतिरिक्त प्रीमियम प्रोडक्ट बनाने के लिए समर्पित है जो उपभोक्ताओं के सर्च अनुभव को बेहतर करेगा और इसके लिए वेब में खो चुके उत्पादों और सेवाओं को ज्यादा दिखाई देने में सहायता करेगा।

उनकी तकनीकी सुविज्ञता और जाना–माना नेतृत्व तकनालॉजी के मामले में ब्लूमरीच की अग्रणी स्थिति को कायम रखने में अहम भूमिका निभाएगा।

ब्लूमरीच के सीटीओ और सह–संस्थापक आशुतोष गर्ग ने कहा, हम अपनी कंपनी के अंतरराष्ट्रीय विस्तार की घोषणा करते हुए खुशी महसूस कर रहे हैं। हमने सिलिकन वैली में एक छोटी टीम के साथ शुरुआत की।

इसमें अच्छे इंजीनियर और प्रोडक्ट एक्जक्यूटिव थे।

कुछ तो मशीन के बारे में सीखने तथा बड़े पैमाने पर सिस्टम साइंस और गूगल, सिस्को तथा फेसबुक जैसी कंपनियों से सर्च में काफी प्रतिभाशाली और योग्य थे। भारत में हमारी उपस्थिति हमारे अनुसंधान और विकास प्रयासों के लिए हृदय के दूसरे धड़कन के रूप में काम करेगी।

ब्लूम रीच इंडिया के प्रमुख और डायरेक्टर ऑफ इंजीनियरिंग विनोद कुमार ने कहा, भारत आधारित परिचालन अक्सर आउटसोर्सिंग और सपोर्ट सेंटर हैं पर इस क्षेत्र में ब्लूमरीच का विस्तार पूरी तरह जटिल समाधानों का विकास करने पर केंद्रित है जिससे वेब कारोबार और वेब पर उपभोक्ताओं के बीच के अंततर को पाटने में सहायता मिले। कंपनी की सफलता के केंद्र में जोरदार उत्पाद हैं और मैं बंगलौर कार्यालय का नेतृत्व करने का इंतजार कर रहा हूं और इस दौरान मैं संबंधित वेब के लिए नए उत्पादों का विकास करने पर पूरा फोकस करूंगा।

सिंगल पैरेन्टस और बच्चों की परवरिश

चार दिवारी से मकान बनता है और उसमें रहने वाले लोंगों के आपसी प्रेम, सम्पर्ण, और सद्भावनाओं से एक मकान घर का रूप लेता है । (एक) घर हमें सिर्फ सुरक्षा ही नहीं देता बल्कि हमें संस्कार और संस्कृति से भी समृद्ध करता है । लेकिन आज के इस दौर में जहा एकल परिवारों (छन. बसमंत उिपसल) का चलन बढ़ा है तो वहीं तलाक की चक्की में पिसते रिश्तों ने सिंगल पैरेन्ट्स की तादाद भी बढ़ा दी है । आज महानगरों से लेकर छोटे शहरों, कस्बों और ग्रामीण इलाकों में भी सिंगल पैरेंट्स की संख्या बढ़ती जा रही है । ऐसी स्थिती में एक ओर सामाजिक ढाचा चरमरा रहा है दूसरी ओर बच्चों के सर्वांगीण विकास पर प्रश्न चिन्ह लग रहा है । इसमें कोई दो राय नहीं कि यह एक ऐसी ज्वलंत समस्या है जो देश और समाज दोनो की जड़ों में दीमक लगा रही है । लेकिन उससे भी विकट स्थिती यह है कि आज समाज में जो स्त्री – पुरूष एकल अभिभावक की भ.ूमिका निभा रहे हैं उनके बच्चे कभी शारीरिक रूप से तो कभी मानसिक रूप से दुर्घटनाओं के शिकार हो रहे हैं । ऐसी स्थिती में जरूरी है उन छोटी – छोटी बातों का ख़्याल रखने की जिससे बच्चों को सुरक्षित जीवन मिल सके और उनका शारीरिक, मानसिक व भावनात्मक हर लिहाज से सम्पूर्ण विकास हो और वह भविष्य में एक ज़िम्मेदार नागरिक के रूप में समाज में अपनी जगह बना सकें । इसलिऐ एकल अभिभावक की ज़िम्मेदारी निभा रहे स्त्री व पुरूष को हमेशा इस बात का ख़्याल रखना चाहिऐ कि आप अपने व्यक्तित्व में मा और पिता दोनो की ही भूमिका साथ लेकर जियेंगे तभी बच्चे की परवरिश के साथ न्याय कर पायेंगे । इसलिऐ यह जरूरी है कि आप......

बच्चे के साथ समय बितायें – बच्चे सिर्फ खिलौने, किताबें या फिर अपनी आपका समय भी चाहते हैं जो जरूरी भी है और उनका हक भी है । महज जरूरतें पूरी कर देने भर से किसी भी अभिभावक की ज़िम्मेदारी पूरी नहीं हों जाती । ख़ासकर तब जब आप एकल अभिभावक की हैसियत से पाल–पोस रहीं ६ रहे हों । इसमें कोई दो राय नहीं कि पुरुष की तुलना में एक स्त्री के लिऐ सिंगल पैरेंट्स की भूमिका का निर्वाह करना एक टेड़ी खीर है । क्यों कि आज भी समाज एक अकेली महिला को सम्मान की नजर नहीं देखता । उस पर आस – पड़ोस के साथ – साथ कई बार घर परिवार के लोग भी बच्चे के दिमाग में उनके अभिभावक के प्रति गलत बातें भर देते हैं । इसलिऐ जरूरी है कि आप बच्चे के साथ अधिक से अधिक समय बितायें । उनके साथ खेले, उन्हें कहानियां सुनायें, बाहर घुमाने ले जायें, उनके होमवर्क में उनकी मदद करें, बच्चे की हाबीज के मुताबिक उसे आगे बढने के लिऐ प्रोत्साहित करें, प्यार दुलार से बच्चे की मन की बातें जाने । अपने बच्चे की उम्र के मुताबिक उसके बाल मन को समझने की कोशिश करें । इससे बच्चा अकेलापन भी महसूस नहीं करेगा और आपके प्यार की गर्माहट उन्हें हमेशा आपके नजदीक रखेगी ।

बच्चों को आत्मनिर्भर बनायें – यदि आप अकेली ही बच्चों का लालन – पालन करती हैं तो जाहिर सी बात है कि आपको आर्थिक रूप से भी स्वयं को मजबूत करने के लिऐ कोई व्यवसाय या नौकरी भी करनी होगी । ऐसी स्थिती में घर और बाहर की सारी ज़िम्मेदारी आप ही का निभानी होंगी । इसलिऐ जरूरी है कि यदि बच्चों को बाल अवस्था से ही आत्मनिर्भर बनायें । मसलन जो सामान जहा से उठायें उसे वहीं पर रखें, अपने कपड़े, जूते, स्कूल बैग, किताबें, खिलौने आदि को सलीके से रखें । यदि आपके एक से अधिक बच्चे हैं तो अपने बड़े बच्चे को आप सिखा सकती हैं कि वह छोटे भाई – बहिनों का वह होमवर्क कराये तो वहीं उसके छोटे भाई – बहिनों को सिखायें कि वह अपने बड़े भाई – बहिन की बात माने । लेकिन इस बात का भी ध्यान रखें कि आपका बड़ा बच्चा भी अभी महज एक बच्चा है इसलिऐ उसे आत्मनिर्भर बनाने के चक्कर में उस पर बहुत अधिक ज़िम्मेदारी न थोपें । उसे वही काम सौंपें जिसे वह सहज ढंग से कर सके और आपको भी मदद मिल सके । उम्र के मुताबिक यदि बच्चे आत्मनिर्भर होंगे तो आपको भी थोड़ा वक़्त मिलेगा जो आप अपने ही बच्चों के साथ बांट सकेंगी ।

अपने बच्चे की दोस्त बनें – एकल अभिभावकों को दोहरी भूमिका निभाने के साथ – साथ बहुत अधिक ज़िम्मेदारियों का निर्वाह भी करना होता है । इस कारण मानसिक और शारीरिक दोनो ही स्तरों पर अतिरिक्त दबाब बढ़ जाता है । और आप न चाहते हुऐ भी बच्चों के साथ या तो बहुत सख़्त हो जाती हैं या फिर बेहद चिड़चिड़ी हो जाती हैं । बेहतर है कि आप समय – समय पर ख़ुद को इस बात का एहसास दिलाती रहे कि आपके अकेलेपन का ज़िम्मेदार आपका बच्चा नहीं है । बल्कि यह बच्चे ही हैं ६ बच्चा ही है जो आपके अकेले जीवन का साथी है । इसलिऐ उसके प्रति अपना दोस्ताना व्यवहार रखें । उसके साथ बैठकर उसकी दिनचर्या सुने, उसके दोस्तों की बातें पूछें तो कभी बस ख़ुद बच्चा बन उसके जीवन को समझने की कोशिश करें । खासकर जब बच्चा किशोरावस्था से गुजर रहा हो तो बच्चों के साथ नजदीकी बढ़ाने के लिऐ उनसे दोस्ती करें । यह कभी न सोचें कि आप मा हैं तो आप बच्चे के बारे में सब जानती हैं । यह सोच कई बार आपके और बच्चे के बीच भ्रम की स्थिती पैदा कर देती है और आपके व बच्चों के बीच दूरी बन जाती है । इसलिऐ यह जानने की कोशिश जरूर करें कि आपके बच्चे को क्या पसंद है और क्या नहीं । साथ ही साथ इस बात का भी ख़्याल रखें कि आपका बच्चा आपके अपनेपन और प्यार को महसूस कर सके और यह तभी सम्भव होगा जब आप एक मॉ होने के साथ – साथ उनकी विश्वासपात्र दोस्त भी बनेगी। (Best Friend)

बच्चों पर विश्वास करें – कई बार बच्चे इस बात की शिकायत करते हैं कि ''मम्मी आप हमारी सबसे अच्छी दोस्त तो है लेकिन हम पर भरोसा नहीं करती ।'' बच्चों का यह वाक्य आपको झिंझोड़ देता है और आप सोच में पड़ जाती हैं कि आखिर कहा कमी रह गई कि बच्चे ऐसी शिकायत कर रहे हैं ? यह सच है कि आप बच्चों की बहुत अच्छी दोस्त हैं लेकिन यदि आपने उनमें भरोसा नहीं जताया तो वह भी आप पर भरोसा नहीं कार पायेंगे । इसलिऐ अपने व्यवहार, बातों और भाषा से जताइये कि आप उन पर भरोसा करतीं हैं । साथ ही साथ इस बात का भी ख़्याल रखिये कि बच्चों को कभी क्रास चौक न करें । उनकी कही बात की पुष्टी कभी किसी और से या उनके दोस्तों से उनके सामने न करें । बच्चे को कभी यह कहने का मौका न दें कि ''मम्मी अगर आपको मुझ पर भरोसा नहीं है तो आप मेरे दोस्तों से पूछ लें ।'' इस प्रकार के वाक्य जब आपका बच्चा कहता है तो वह मानसिक रूप से जानता है कि आप उस पर भरोसा नहीं करती । इसलिऐ बच्चे की कही बात की पुष्टि और अपना संदेह मिटाने के लिऐ आप बच्चे पर भरोसा जताते हुऐ उसके दोस्तों और ख़ुद बच्चे से खेल – खेल में जाने । समय – समय पर स्वयं बच्चों से कहें भी कि आप उन पर भरोसा करती हैं और आपको विश्वास है कि आपके बच्चे उनसे झूठ नहीं बोलेंगे । ऐसे वाक्य बच्चों का मनोबल बढ़ाने के साथ – साथ उन्हें विश्वासपात्र भी बनायेंगे । बच्चों का सम्मान करें – कई बार हम यह सोच लेते हैं कि बच्चे भला मान –सम्मान या अपमान को क्या जानें । इन्हें भला कहां इतनी समझ कि यह इज्ज़त और बेइज्ज़ के फर्क को महसूस कर पायें । यदि कर सकते तो यह बच्चों की तरह नहीं बल्कि बड़ों की तरह व्यवहार करते । हमारी यह सोच पूर्णतः गलत है । याद रखिये बच्चे भोले होते है लेकिन इसके बावजूद भी वह अपमान और सम्मान के बीच के फर्क को ख़ूब समझते हैं । हमें यह नहीं भूलना चाहिऐ कि जब बच्चे प्यार और अपमान में फर्क करना जानते हैं तो वह इज्ज़त और बेइज्ज़ती के फर्क को भी खूब समझते हैं । गोद में खेलने वाला नन्हा शिशु भी इन भावों को खूब समझता है । इसलिऐ एकल अभिभावकों को इस बात का ख़ास ख़्याल रखना चाहिऐ कि वह गलती से भी कभी बच्चे को ताने न दें, उन्हें बोझ या बंदिश न समझें अपने जीवन के लिऐ । इसमें कोई शक नहीं कि जो महिलाऐं सिंगल पैरेन्ट के रूप में बच्चों की देखभाल करती हैं उन्हें घर बाहर की दुनिया संभालने के साथ – साथ सामाजिक दबाव और व्यंग वाणों को भी झेलना पड़ता है । ऐसी हालत में मन का गुबार बच्चों पर निकल जाता है और कुछ ऐसे अपमानजनक वाक्य मसलन ''तुम तो अपने बाप की थोपी हुई ज़िम्मेदारी हो वह तो सब छोड़कर भाग खड़े हुऐ और मुसीबत मेरे गले बॉध गये । '' इस प्रकार के वाक्य बच्चों के मन – मष्तिषक पर नकारात्मक प्रभाव डालते हैं और बच्चे मानसिक रूप से खुद को दोषी मानने लगते हैं । इसलिऐ जब भी बच्चों पर गुस्सा आये या फिर किसी और का गुस्सा बच्चे पर निकले उस समय सिर्फ इतना सोचिये कि अगर आज यह बच्चे ६ बच्चा आपकी ज़िन्दगी में न होता तो आप कितनी अकेली होती । बच्चे आपका अकेलापन दूर कर आपके जीवन को एक मकसद देते हैं । उनका प्यार आपके एकाकी जीवन में रंग भरता है इसलिऐ बच्चों को प्यार के साथ – साथ सम्मान भी दें और उन्हें दूसरों की इज्ज़त करना भी सिखायें । अपने काम के विषय में बतायें– बच्चों की देखभाल करना और साथ समय बिताना आपके लिऐ जितना जरूरी है उतना ही जरूरी है आपका आर्थिक रूप से स्वाबलंबी होना । बच्चों की बेहतर ज़िन्दगी और उनकी शिक्षा के लिऐ आपको ही धन अर्जित करना होगा आप किसी और पर निर्भर नहीं रह सकती । इसलिऐ यदि आपके बच्चे दस – बारह साल के हैं तो आप उन्हें अपने काम के बारे में बतायें इससे उन्हें इस बात का एहसास रहेगा कि उनकी मां उनके बेहतर जीवन के लिऐ ही घर से बाहर रह कर काम करती है । कई बार स्थिती इतनी विकट होती है कि बच्चा सिर्फ दो – तीन साल का ही होता है और मां को काम पर जाना पड़ता है । इस विकट स्थिती में आप अपने बच्चे को यह बतायें कि आप उसके खिलौनो, टाफी, और नये – नये कपड़ों के लिऐ काम पर जाती हैं । हांलाकि इतनी छोटो उम्र में बच्चे को कुछ भी समझाना बहुत मुश्किल होता है पर आपको कोशिश करनी ही पड़ेगी । क्यो कि कई बार पास – पड़ोसी और रिश्तेदार बच्चे के सामने कुछ ऐसी बाते बोलते हैं मसलन ''मां तो सारा दिन घर से बाहर रहती है और बच्चे को दूसरों पर छोड़ जाती है ।'' या फिर ''तुम्हारी मां तो अकेले – अकेले घूमने चली जाती है और तुम्को घर पर छोड़ जाती है ।'' ऐसे वाक्य बच्चे के नाजुक मन पर नकारात्मक प्रभाव तो डालते ही हैं साथ ही मां और बच्चे बीच दूरी बड़ा देते हैं । इसलिऐ अपने बच्चे को अपने काम के बारे में बताने के साथ यह भी एहसास करायें कि आप अपने बच्चे की बेहतर ज़िन्दगी के लिऐ घर से बाहर काम पर जाती हैं । इससे आपके बच्चे के मन में आपके प्रति प्रेम और आदर भाव जागृत होगा ।

बच्चों को पैसे की अहमियत बतायें – पैसे हमारे वर्तमान की जरूरतें पूरी करता है लेकिन भविष्य को समृद्ध बनाता है । इसलिए अपने बच्चों को पैसे की अहमियत समझायें और उन्हें बचत करना सिखायें फिर चाहे वह दस रुपय ही रोज अपनी गुल्क में क्यों न डालें । इससे उनमें पैसा बचाने की आदत जन्म लेगी । एकल अभिभावकों यह बात कभी नहीं भूलना चाहिऐ कि उनकी व बच्चों की जरूरतें पूरी करने की जिम्मेदारी सिर्फ और सिर्फ आपको ही पूरी करनी है । इसलिऐ न तो खुद ही पैसे को फिजूल ख़र्च करें और नही बच्चों को करने दें । बच्चे यदि छोटे हैं तो आप उनके लिऐ ऐजुकेशन पॉलिसी ले सकती हैं बैंक में एफ डी आदि करा सकती हैं इससे पैसे की बचत भी होगी और भविष्य में जरूरत पड़ने पर आपको किसी के आगे हाथ भी नहीं फैलाना पड़ेगें ।

घर में नौकर पूरी जांच पड़ताल के बाद ही रखें – एकल अभिभावकों को घर में मदद के लिऐ एक हैल्पिंग हैंड की जरूरत हमेशा होती है फिर चाहे आप अपने बच्चे के साथ अपने माता – पिता के घर में रहें या फिर अकेले रहें । इसलिऐ घर में नौकर रखने से पहले उसकी पूरी जांच पड़ताल कर लें । जिसमें सबसे अहम है नौकर का पुलिस वैरीफिकेशन होना । आजकल कई ऐसी प्लेसमैंट एजेंसी भी बाजार में उपलब्ध हैं जो होम सर्वेंट की सुविधा मुहय्या कराती हैं और साथ ही यह नौकर का पुलिस वैरिफिकेशन कराने की भी ज़िम्मेदारी लेती हैं । लेकिन एक बात हमेश याद रखिये कि घर में जब भी कोई नौकर रखें तो उसका पुलिस वैरिफिकेशन स्वयं करायें और कुछ महत्वपूर्ण बातों का ख़्याल अवश्य ख़्याल रखें ।

जैसे......1. नौकर का स्थाई पता (च्तउंदमदज ।ककतमे), उसके माता – पिता का फोटो, काम पर आने वाले व्यक्ति के उस घर का पता जहॉ वह रह रहा है और उसके किसी एक जानने वाले का पता भी उससे मांगे ।

2. नौकर चाहे लड़का हो या लड़की उससे इस बात की पुष्टि पहले ही कर लें कि वह कोई नशा तो नहीं करता । क्यों कि यदि नौकर किसी भी प्रकार का नशा करता होगा तो इससे आपके बच्चे पर बुरा असर पड़ेगा ।

3. घर के काम के लिऐ आने वाले व्यक्ति का चाल चलन कैसा है ? वह पहले कहॉ काम करता था और काम क्यों छोड़ा साथ ही नौकर के पुराने मालिक नाम पता भी जरूर जाने । इससे आपको काम पर आने वाले व्यक्ति के विषय में काफी कुछ जानकारी मिल जायेगी

4. काम पर आने वाले नौकर से नौकरी पर आने से पहले ही उसकी पोस्ट कार्ड साइज की फोटो, वोटर आई डी कार्ड ६ राशन कार्ड ६ या फिर बैंक के पास बुक की फोटो कॉपी मांग कर अपने रिकार्ड में अवश्य रखें ।

5. घरों में काम करने वाले लड़के लड़कियां ज्यादातर दूसरे शहरों या प्रान्तों से आते है। तो जाहिर सी बात है कि वह अपनी तनख्वाह का कुछ भाग अपने गॉव या शहर भेजेंगे । इसलिऐ कभी कभार उनके साथ डाकघर या बैंक जा कर पता करें कि वह किस पते पर पैसा मनिऑर्डर कर रहा है । इससे फायदा यह होगा कि आपको उसके स्थाई पते को क्रॉस चौक करने का मौका मिल जायेगा ।

घर में सिर्फ नौकर रखते वक्त ही सावधानी बरतने की जरूरत नहीं है बल्कि जब नौकर घर में काम पर आ जाये तब कुछ जरूरी बातों की सावधानी बरतना बेहद जरूरी है क्यों कि आपकी गैर मौजूदगी में आपका बच्चा नौकर के ही पास रहेगा । इसलिऐ इन बातों का ध्यान हमेशा रखें जैसे –

6. यदि आपके बच्चे नौकर के बारे में कुछ कहते हैं या शिकायत करते हैं तो उसे शान्तिपूर्ण ढंग से सुने और उस पर कड़ी नजर रखें । कई बार घर में काम करने वाले नौकर नौकरानी बच्चों का यौन शोषण कर उन्हें मारपीट कर धमकाते हैं इसलिऐ अपने बच्चे पर हमेशा भरोसा करिऐ और उनकी बातों को नजर अंदाज मत करिऐ ।

7. नौकर के सामने कभी भी बच्चे को डांटे या मारे नहीं वर्ना कई बार नौकर इसका फायदा उठाकर अपनी गलतियां छोटे बच्चों के सर मड़ देते हैं ।

8. अपने पड़ोसियों से अच्छे संबद्व रखें जिससे वह आपकी अनुपस्थिती में नौकर पर नजर रखें। यह बातें बहुत अव्यवहारिक सी लगती हैं लेकिन यदि हम थोड़ा सर्तक रहेंगे तो घर में काम करने वाले नौकर हमारे हैल्पिंग हैंड बनकर रहें और हमारे हाथ नहीं काटेंगे ।घर की सुरक्षा का पूरा इंतजाम रखें – दिन–ब–दिन बढ़ते हादसों ने सुकून की ज़िन्दगी छीन ली है इसलिऐ अपने घर की सुरक्षा का पूरा ध्यान रखें । आजकल बाजार में अनेक ऐसे उपकरण मौजूद हैं जो आपके घर को सुरक्षित रखने के लिहाज से काफी कारगर साबित हो सकते हैं । बाजार में मिलने वाली कैमरा डोर बैल (दरवाजे की घन्टी)। सिक्योरिटी अलार्म लगवायें जिससे घर में यदि कोई हादसा हो तो अलार्म बज उठे और पास पड़ोस के लोग आपकी व बच्चों की मदद के लिऐ आ सकें । घर के मेन गेट पर लड़की के साथ साथ आप लोहे का जाली वाला गेट भी जरूर लगवायें यदि आपका घर ग्राउन्ड फ्लोर पर है तो आप बालकनी आदि में भी इस आयरन गेट का प्रयोग कर सकती हैं । अपने बच्चों को अपना मोबाइल नंबर के साथ ऑफिस नम्बर भी दें साथ ही पड़ोसियों और कुछ नजदीकी रिश्तेदारों के भी नंबर जरूर दें । बच्चों को पुलिस कंट्रोल रूम के 100 नंबर और फायर ब्रिगेड के 101 नंबर की जानकारी अवश्य दें जिससे कोई अप्रिय घटना होने पर बच्चा इन नंबरों से मदद माग सके । अपने बच्चे को यह जरूर समझायें कि आपकी गैर हाजरी में वह न तो किसी अन्जान व्यक्ति के लिऐ दरवाजा न खोलें और न ही आपके मित्र के लिऐ दरवाजा खोलें । जब आप घर से बाहर काम पर हों तो हमेशा अपने बच्चे से आप फोन पर बात करती रहें और उससे उसका व घर का हाल जानती रहें ।

रिश्तेदारों और मित्रों पर कड़ी नजर रखें – किसी भी रिश्ते का आधार विश्वास होता है लेकिन मित्रों व रिश्तेदारों पर विश्वास उतना ही करें जिसमें शक की गुंजाइश भी रहे वर्ना कई बार हमारा अंधा विश्वास हमारे बच्चे के जीवन के लिऐ खतरनाक साबित हो जाता है फिर चाहे वह रिश्ते खून के ही क्यों न हों । आज समाज में ऐसे तमाम किस्से सुनने को मिलते हैं कि घर के ही सदस्स ने बच्चे का यौन शोषण किया । जिस समाज में पिता ही अपने बच्चों को यौन शोषण करने में शर्म न महसूस करता हो वहां किसी और से क्या उम्मीद कर सकते हैं । इसलिऐ यदि आपका बच्चा किसी के विषय में आपसे कोई बात कहता है या फिर कोई शिकायत करता है तो उसे ध्यान से सुने और बच्चे को दोषी ठहराये बगैर उसका सहारा दें

याद रखिये बच्चे किसी की न तो बेवजह बुराई करते हैं और न ही वह किसी का शोषण करते हैं इसलिऐ उनकी कही बातों के प्रति हमेशा सचेत रहें । समय – समय पर अपने बच्चे से भी लोगों के व्यवहार के विषय में पूछती रहें।

मोनिका जैन "डाली"/ दिल्ली

(मजदूर दिवस पर विशेष)
लघु कथा : जीवित्पुत्रिका का व्रत

रामखोलावन उदास मन से घर लौट आया और चौकी पर लेट गया, उसकी पत्नी कमला धीरे से बोली ष्क्या हुआ जी, आज वाहन नहीं चल रहें हैं क्या, क्यों लौट आये ? नहीं ऐसी कोई बात नहीं, मैं तो काम पर भी गया था, पर ठीकेदार ने आज काम बंद कर दिया है, कह रहा है कि आज ष्मजदूर दिवसष है, यदि आज काम कराया तो श्रम विभाग वाले जुर्माना लगा देंगे, गाड़ी भाड़ा भी लग गया और काम भी नहीं मिला, दिन में तो काम चल जायेगा पर रात में बच्चों को क्या खिलाया जायेगा ? राम खेलावन की आँखे यह कहते हुए भीग गई द्य कमला समझाती हुई बोली, ऐ जी आप उदास ना होइए, किसी तरह दिन के खाने से दो रोटी बचाकर मैं बच्चो को खिला दूंगी और हम दोनों जन समझ लेंगे कि आज 'जीवित्पुत्रिका का व्रत है द्य

'जीवित्पुत्रिका का व्रत – अपने बच्चो कि सलामती हेतु उत्तर भारत में मनाये जाने वाला एक व्रत जिसमे बिना कुछ खाए पीये उपासना किया जाता है।

गणेश जी ''बागी''
बलिया (उ. प्र.)

कविता : हम–तुम

हम–तुम
जैसे सरिया और कंक्रीट
दिन भर मैं दफ्तर का
तनाव झेलता हूँ और
तुम घर चलाने का दबाव

इस तरह हम झेलते हैं
जीवन का बोझ
साझा करक किसी

का बोझ कम नहीं है
न मेरा न तुम्हारा

झेल लेंगें हम
आँधी, बारिश, धूप, भूकंप.
तूफान
अगर यूँ ही बने रहेंगे
इक दूजे का सहारा

धर्मेंद्र कुमार सिंह/
प्रतापगढ़ (उ. प्र.)

"कुछ तो बाकी रह गया" का लोकार्पण व लाल कला मंच द्वारा सम्मान समारोह

लाल बिहारी लाल

नई दिल्ली।: दिल्ली हिन्दी साहित्य सम्मेलन के तात्वावधान में कँवुर विक्रमादित्य सिंह रचित काव्य संग्रह कुछ तो बाकी रह गया का लोकार्पण सह परिचर्चा एवं लाल कला एवं सांस्कृतिक चेतना मंच द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन हिन्दी भवन,आई.टी. ओ. ,नई दिल्ली में दिनांक 1 मई को किया जा रहा है जिसकी अध्यक्षता आकाशवाणी दिल्ली के केन्द्र निदेशक श्री लक्ष्मी शंकर बाजपेयी करेगे। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डा. नामवर सिंह तथा आर्शीवचन पद्मभूषण गा. पालदास नीरज के साथ–साथ सानिध्य दिल्ली के पूर्न महापौर श्री महेश चन्द्र शर्मा तथाहिन्दी त्रैमा. सिक– सरस्वती सुमन(दे. हरादून)के प्रधान संपादक डा आनन्द सुमन सिंह काहै। काव्य संकलन कुछ तो बाकी रह गया पर परिर्चाचा में मुख्य वक्ता के रुप में आकाशवाणी दिल्ली के कार्यक्रम अधिकारी डा. हरि सिंहपाल एवं राष्ट्र किंकर के

संपादक डा. विनोद बब्बर भाग लेगे। इस कार्यक्रम का संचालन डा. ए. कीर्तिवर्धन करेगे। इस अवसर पर लाल कला मंच द्वारा इसके अध्यक्ष श्रीमती सोनू गुप्ता एवं अतिथियों द्वारा श्रीकुँवर विक्रमादित्य सिहं को इनकी कृति कुछ तो वाकी रह गया के लिए शब्द साधक सम्मान एवं डा. ए. कीर्तिवर्धन को हिन्दी सेवा के अमूल्य धरोहर कृति जतन से ओढी चदरिया के संपादन के लिए इन्हें भी शब्द–साधक सम्मान से अतिथियों एवं लाल कला मंच के सचिव श्री लाल बिहारी लाल द्वारा सम्मानित किया जायेगा।

नारी सिर्फ भोग्य नहीं है ,उसकी अस्मिता की एक प्रतिष्ठा है

हिंदी साहित्य की परम्परा में अपनी संवेदनशील कविताओं द्वारा अपनी अलग पहचान बनाने वाली कवियत्री रश्मि प्रभा महाकवि सुमित्रानंदन पंत की मानस पुत्री सरस्वती प्रसाद की बेटी हैं .इनका नामकरण भी सुमित्रानंदन पंत जी ने ही किया था .इनका मानना है कि अगर ये शब्दों की धनी न होतीं तो इनका मन ,इनके विचार इनके अन्दर ही दम तोड़ देते .इनका मन जहाँ तक जाता है ,इनके शब्द उसकी अभिव्यक्ति बन जाते हैं .इनका मानना है कि वटवृक्ष को गवाह मान,दुआयो के धागे इसकी गहरी शाखायो से जोड़कर मेरी कलम ने मेरा परिचय लिखना चाह है .पापा की करेजी बेटी ,माँ के रानी बेटी ,काबुलीवाले की मिन्नी बनी पिस्ता बादाम का जादू देख ही रही थी कि दर्द का पहला धुँआ आखो से गुजरा . शमशान की गली ,वृक्षो की कतार ,बहती नदी .जलती चिता ....कोमल मन पर एक अलग चित्र बनकर उभर गए .शब्दों की जादुई ताकत माँ ने दी . कमल बनने का संस्कार ,पिता ने ,नाम सुमित्रनानद पन्त ने ,परिपक्वता समय की तेज आंधी ने .जो कुछ भी लिखा –वह आखो से गुजरता सच था .सच की ताकत ने न जाने कितनी मौत से मुझे बचाया और हर कदम पर एक नया एहसास दिया .एहसास तो बड़े गंभीर थे, पर मन हमेशा सिन्ड्रेला रहा . सिन्ड्रेला की कविताये मेरे मोहक सपनो से कभी दूर हुए ,कभी पास आए .....उनको पास लाने के लिये मै मोहक सपने बेचती रही और सपनो की हाट मे घूमते हुए जाने कितने सपनो से दूर होती जाती रही .तुम्हारा क्या गया जो तुम रोते हों –ऐसी पंक्तियों का समृति बाहुल्य था .मै हर फ्रेम मे फिट होतो गयी. ष्प्रसाद कुटी की ताकत लेकर लिखती गयी ,मिटाती भी गयी ....अच्चानक प्रवाह मिला ,अनुपम ,अलोकिक शब्दों का सपर्श मिला ,आखो मे सपने –ही सपने भर गये .. .जब नया आयाम मिला .कोई नाम नहीं ,कोई रिश्ता नहीं ...पर जन्मो का साथ लगा –कोई आत्मा या परमात्मा या...... जो भी कह लो....मैंने खुद नहीं जाना तो तुम्हे क्या बताऊ –बस इतना सच है कि मै उसे जानती हूँ ,वह मेरी प्रेरणा ,मेरा प्रवाह ,मेरा सामर्थ्य है और उसके साथ मै हूँ ...संजीवनी बने मेरे तीन सतंभ –मृगाक ,खुशबु ,अपरा. जिता .....और इससे अधिक मेरी कोई पहचान नहीं हुई ,चाहा भी नहीं .... क्योकि कितने भी तूफान आए ,ऋतुराज बसंत आज भी यही उतरता है .सर्वप्रथम कादम्बनी मे इनकी कविता को स्थान मिला .क्रमशा वुमेन आन टॉप ,गर्भनाल ,जनसता ,यूके से प्रकाशित पुरवाई ,राजस्थान पत्रिका ,वातायन आदि मे इनकी रचनायो का प्रकाशन हुआ है .इनका काव्य –संग्रह–शब्दों का रिश्ता .(३१)कवियों को लेकर अनमोल संचयन का संपादन ,२००७ मे ब्लॉग लेखन का आ. रंभ .(हिंद युग्म मे ऑनलाइन कवि सम्मलेन ,ऑनलाइन ऑडियो विडियो का विमोचन –कुछ उनके नाम गीतों भरी कहानी का इन्टरनेट पर आरंभ),ऑनलाइन वटवृक्ष के माध्यम से लेखकों को प्रोत्साहन .प्रस्तुत है रश्मि प्रभा जी से ड़ा प्रीत की विशेष बात. चीत–

प्रश्न–आपके लेखन की शुरुआत कैसे और कब हुई और आपका प्रेरणा –स्त्रोत कौन है ?

उत्तर–– शब्द , भाव और उन्हें पिरोने की कला मुझे मेरी माँ श्रीमती सरस्वती प्रसाद से मिली . बचपन से ही एक साहित्यिक वातावरण मेरे घर में था . चाँद हो , सूरज हो, हवा हो , रास्ते हों , या कोई सपना हो – उसे अपने शब्द , अपने भाव देने के लिए माँ कहती और उनका यही प्रयास मेरे लिए प्रेरणा साबित हुई !टूटी फूटी रचनाएँ तो मैं कम उम्र से लिख जाती थी , पर एक भाव निहित रचना मैंने सबसे पहले १६७३ में लिखी और वह कादम्बिनी में प्रकाशित हुई . फिर मैं लिखती गई .... लिखने के पीछे सबसे बड़ा कारण था शोर के बीच यूँ कहें भीड़ में मैं खुद को बहुत अकेला पाती थी .मेरी पहली रचना अकेलापनश ही थी , जिसकी पंक्तियाँ कुछ यूँ थीं –

सिंह कभी समूह में
नहीं चला
हँस पातों में नहीं उड़े
इन पंक्तियों का
स्मृति बाहुल्य था
बहुत से ह्रदय मेरे संग
नहीं जुड़े ..

प्रश्न–आप सुमित्रानन्दन पंत जी की नातिन हैं ? स्वाभाविक है कि उनके साथ आपकी बहुत– सी यादें जुड़ी होगी .पाठकों के साथ कुछ यादें साझी कीजिए ?

उत्तर––मैंने प्रारंभ में भी कहा और जहाँ भी इस बात का उल्लेख किया वहाँ यह स्पष्ट कथ्य है कि कवि पन्त ने मेरी माँ को अपनी बेटी माना . कवि पन्त ने विवाह ही नहीं किया था .मेरे बचपन का एक पूरा दिन उनके सामीप्य में उनके इलाहाबाद स्थित घर में बीता . और कहने को वह एह दिन मेरी जिन्दगी बन गया . दृश्य जो आँखों से गुजरते हैं , वह समयानुसार अलग अलग छाप छोड़ते हैं . उनके कमरे की सादगी , उनका सौन्दर्य , उनका स्ने. हिल व्यवहार , उनका अपनी कविता गाकर सुनाना , मुझे नाम देकर मेरे भविष्य के गर्भ में आशीष देना , मेरे नाम अपनी पंक्तियाँ देकर यह बताना कि हर उम्र का सम्मान होता है और मेरे प्रश्न पर कि नाना हैं तो नानी ....श्उपस्थित होकर भी उनका खो जाना मुझसे कभी जुदा ही नहीं हुआ . जब कोई कहता है – प्रथम रश्मि का आना रंगिनी तूने कैसे पहचाना ... मुझे अपनी पहचान मिल जाती है – हर बार ,नए मायने लिए

प्रश्न–आपका साहित्य लेखन किस हद तक सुमित्रानन्दन पंत जी से प्रभावित हुआ है ?

उत्तर––मेरा नाम ही प्रकृति से जोड़ दिया उन्होंने , तो – यह तो आप सब ही तय करेंगे कि कितना प्रभावित है मेरा लेखन

प्रश्न–क्या आपकी माँ सरस्वती प्रभा जी भी लिखती हैं ?

उत्तर–हमारी माँ ही हमारा स्रोत हैं .... वे लिखती ही नहीं , बल्कि आए दिन विभिन्न विषयों पर हमसे लिखने को कहकर हमें एक सशक्त आधार देती गयीं .... हमें ही नहीं हमारे बच्चों को भी उन्होंने बहुत कुछ सिखाया . उनका प्रिय खेल ही था – लिखो श . उनकी रचनाओं का संग्रह – नदी पुकारे सागर प्रकाशित है .

प्रश्न–आपको साहित्य की कौन –सी विधा में सबसे अधिक रूचि है और क्यों ?

उत्तर–साहित्य की काव्यात्मक विधा में मेरी अधिक रूचि है, क्योंकि इसमें कम शब्दों में ही अनकही भावनाओं को विस्तार मिल जाता है .

प्रश्न–महिला लेखिकाओ में से किस महिला लेखिका से आप अत्यधिक प्रभावित हुई हैं ?

उत्तर–– महिला लेखिकाओं में कई एक नाम हैं , जैसे– महादेवी वर्मा , महाश्वेता देवी, मैत्रेयी देवी .....इन विशिष्ट नामों के बीच मुझे शिवानी की रचनाओं ने बहुत प्रभावित किया . वयोवृद्ध साहित्यकार रामप्रकाश गोयल कहते हैं – शिवानी जी की उंगलियाँ नारी जीवन की हर नब्ज तक पहुँचती हैं .श्माँ गुजराती विदुषी, पिता अंग्रेजी के लेखक , पहाडी पृष्ठभूमि और गुरुदेव की शिक्षा ने शिवानी की भाषा और लेखन को बहुआयामी बनाया .शिवानी के कथाशिल्प में नारी की व्याकुल स्पृहा , स्वर, स्वरुप , प्रकृति , पीड़ा , धर्म और आक्रोश – आवेश उभरकर सामने आए हैं . उनके पात्रों में कोमल भावनाएं थरथराती थीं , प्रेम झिलमिलाता था . उनकी कहानी पढ़ते हुए मैं एक स्वप्निल प्रेम की अद्वैत धारा में बहती जाती रही . कृष्णकली ने महीनों मुझे कृष्णकली के सांचे में डाले रखा .हिंदी का आम पाठक उनकी लेखनी के जादू से बंधा ही उनकी इस कृति श्कृष्णकलीश से , जो धर्मयुग में धारावाहिक प्रकाशित हुई थी .

सरल को उसी अंदाज में कहना बहुत मुश्किल होता है, पर शिवानी ने सरल को बड़े सरल ढंग से कहा . सबसे बड़ी बात उनके लेखन की यह रही कि उन्होंने कहानियों का विषय हमेशा यथार्थ से लिया और उसे बड़ी ईमानदारी से लिखा . उन्होंने अपनी रचनाओं में कभी ऊपर से कृत्रिम ढंग से बौद्धिकता थोपने की चेष्टा नहीं की

.(7) प्रश्न––समकालीन संदर्भ में स्त्री –विमर्श से आपका क्या तात्पर्य है ?

उत्तर––महादेवी वर्मा ने लिखा है –

विस्तृत नभ का कोई कोना
मेरा न कभी अपना होगा
मैं नीर भरी दुःख की बदली...

ये पंक्तियाँ दर्शाती हैं कि स्त्री होने के कारण उनकी कुछ अनसुलझी गुत्थियां थीं , जो सभ्य समाज पर प्रश्न चिन्ह लगाती हैं !ऐसी ही न जाने कितनी कवितायेँ लड़कियों की जिजीविषा को उकेरती आज भी मिल जाएँगी , क्योंकि आज भी पुरानी मान्यताओं वाले संतान के रूप में लड़के की ख्वाहिश रखते हैं ! पर ७०ः लोगों को अब इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि लड़के के रूप में कोई उसका उत्तराधिकारी है या नहीं .... आज लड़की अपना हक लेना सीख गई है . शादी–विवाह के मामले में भी वह अपनी पसंद नापसंद को अर्थ देने लगी है . उसने अपनी आर्थिक स्थिति को भी मजबूत किया है .पत्नी के रूप में वह घर, बच्चे संभालती है , पर पति या सास से खरीखोटी सुनना या मार खाना उसे गवारा नहीं . स्त्री विमर्श को देह विमर्श का पर्याय मान लिया गया है – उसकी दैहिकता को शील, चरित्र और नैतिकता से जोड़ लिया जाता है . ..खान–पान , वेशभूषा , रहन–सहन ,कामकाज , पढ़ाई–लिखाई यहाँ तक कि तीज त्योहारों के नियम भी स्त्रियों पर लागू होते रहे हैं .पुरुष की तरक्की उसकी काबिलियत से जोड़ी जाती है और स्त्री की हर उंचाई , हर सफलता को उसके शरीर से जोड़ दिया जाता है !सारे विमर्श के केंद्र में मुख्य चिंता की बात ये है कि आखिर स्त्री का वजूद क्या है ! स्त्रियों ने चिंता की इस लकीर को मिटाने के लिए कई दृढ़ कदम उठाये . मेरी स्वयं की रचनाओं में सशक्त नारी कहती है –

बहुत छला तुमने
या फिर यूँ कहो
स्वभाववश मैं छली गई
पर अब–
ये मुमकिन नहीं
भूले से भी नहीं ...

पर इस राह पर जिस तरह उसने अपनी जगह बनायीं है उसे देख मेरी ही कलम कहती है –

धू धू जलती बहुएं
दहेज की बलि वेदी
लांछनों का सिलसिला
रोटी के टुकड़ों का हिसाब ...
स्तब्ध कई परिवार !
न न्याय, न समाज, न परिवार
बस एक प्रश्न ....
क्या होगा फिर !
और मौन स्वीकृति – मृत्यु !
एक नहीं दो नहीं ....
अनगिनत बेटियों के ख्वाब
दहेज की आग में स्वाहा
हो गए
भय का अनकहा साम्राज्य
समाज में सिसकियाँ लेता रहा
तब–––हाँ तब
लड़कियों ने अपनी जमीन को
अपने जमीर को अहमियत दी
हर क्षेत्र में अपना
सिक्का जमाया
कम हो गया भय बेटी होने का
फख्र हुआ बेटीवालों को
सर उंचा करके सब कहने लगे
यह हमारा बेटा है....!
यानि बेटियों की जीत
उनके बेटा कहलाने का ठोस
प्रमाण बनी इस प्रमाण पत्र को पाने
की चाह में
लड़कियों की मासूमियत
खो गई !
(मासूम लड़की आगे बढ़
ही नहीं सकती)
अधिक सबल बनने की
ख्वाहिश लिए
लड़कियाँ घर से दूर हो गईं .
शिक्षा और शारीरिक संरचना –
दो अलग आयाम हुए
घर से दूर
दो अलग मुकाम हुए !
घर से दो कदम की दूरी पर
जब वहशी आँखें पीछा
करती हैं
अश्लील बोल लहू गर्म
कर जाते हैं
तो भाई से दूर
पिता से दूर
माँ की ममता से दूर
ये लड़कियाँ.!!!
लगभग सबने
अपनी घबराहट अपने भय को
उच्चश्रृंखल अंदाज बना लिया
बनाया एक दोस्त ...
यहाँ तक कि
लिविंग रिलेशनशिप को
कानून बना देने को बाध्य किया
!आलोचना की कुर्सी से उठो
न्यायकर्ता का का चोगा उतारो
और संवेदनशील होकर सोचो
तभी जानोगे
भय ने इन लड़कियों को
जिस तिस का हाथ थाम
लेने को
विवश कर दिया है !
सड़क का अँधेरा
और भयभीत धड़कनें ...
दरिंदों से बचने का
सुगम उपाय ढूंढ निकाला है
देखा था इन लड़कियों ने
अपनी माँ का हश्र !
सहमी आँखें
आंसुओं के सूखे निशान
और थरथराते कदम ...
विवाह ने एक भय भर
दिया उनमें चाहे अनचाहे
वो लड़कों को तौलने लगीं
समाज !परिवार !न्याय !
विशेष रूप से महिलाएं !...
जिम्मेदार हैं मर्यादाओं के
हनन का !अनिच्छा से
पत्नी का
दायित्व निभाती महिला को
सबने सीख दी
पर खुली हवा नहीं दी !
पत्नी की मौत
पति का ब्याह ... कभी
गलत हुआ नहीं
पर जुल्म का विरोध
स्त्री की धृष्टता बन
गई !सरेराह उठाकर ले
जाई लड़की के लिए
प्रत्यक्ष गवाह का प्रश्न उठा
बेरहमी से अन्याय सहती
स्त्री के आगे
क्यूँ? का प्रश्न उठा ....
न्याय के नाम पर अर्जियां
पड़ी रहीं
उम्र बीतती गई
प्रश्न उठते रहे
एक ही कहानी– दोहराने
की भी हद होती है !
नई पीढ़ी ने
हर तथाकथित मर्यादाओं
को ताक पर रख दिया
और भीड़ में गुम हो गई !
कभी देखा है –
अपने अस्तित्व के लिए
अपने टुकड़े के लिए
रात दिन एक करती
ये लड़कियाँ
जब रात के सन्नाटे में
अपने कमरे में होती हैं
तो इनकी आँखों में कोई
सपना नहीं होता !!!

प्रश्न–नारी अस्मिता व अस्तित्व के संदर्भ में आपकी क्या अवधारणा है ?

उत्तर–स्त्रियों के अस्तित्व को सदियों से नकारा गया है , पिछले कुछेक वर्षों से उनकी परिस्थितियों के सन्दर्भ में विस्तृत अध्ययन किये जा रहे हैं , उनके व्यक्तित्व के निर्माण के लिए व्यापक अभियान चलाये जा रहे हैं .नारी सिर्फ भोग्या नहीं , उसकी अस्मिता की एक प्रतिष्ठा है !.... दरअसल नारी को कभी सम्पूर्णता में नहीं देखा गया . अब समय की पुकार है कि सारे मिथ , सारी संहिताएँ और स्मृतियाँ भुलाकर नए विचार, सोच और मानसिकता का निर्माण करें...

प्रश्न–सही अर्थो में नारी की मुक्ति किससे है ?

उत्तर–नारी मुक्ति – इस शब्द का भाव यदि समझा जाये तो इसका तात्पर्य परिवार और समाज से बगावत नहीं है बल्कि उसके साथ चल रही कुरीतियों , विसंगतियों और शोषण से मुक्त करने की मुहीम है . केवल आरक्षण , महिला दिवस , महिला सशक्तिकरण वर्ष मनाने से अथवा नारी मुक्ति आन्दोलन चलाने से महिलाएं मुक्त नहीं हो जाएँगी . इसके अंतर्गत कुछ अहम् प्रश्न उठते हैं –

क्या नग्नता आजादी की निशानी है ? क्या बिना शादी किये रहना स्वतंत्रता है ? क्या अर्धरात्रि में अकेले या लड़कों के साथ घूमना ही मुक्ति है ? नारी मुक्ति की पहचान क्या है ?मेरे विचार से किसी भी दासता से मुक्ति ही मुक्ति है ....स्त्री स्वयं इस दासता को स्वीकार करती जाती है और फिर पुरुष हावी होता जाता है ! सही मायनों में नारी को स्वयं अपने विचारों से मुक्त होना है . उसे अपनी उर्जा , अपनी अस्मिता , अपने आर्थिक–सामाजिक हक् को एक अर्थ देना है और उसके लिए मन से मजबूत होना है !

प्रश्न– समाज के उत्थान में नारी का क्या योगदान हो सकता है ?

उत्तर–– समाज के उत्थान में नारी का योगदान हमेशा से अविस्मर्णीय रहा है – सबसे पहले तो नारी का मातृ रूप , जहाँ से पहला पाठ्यक्रम शुरू होता है . उसके बाद हर क्षेत्र ––– घर–गृहस्थी , रण में तलवार , दफ्तर में कलम , संगीत, राजनीति ... हर क्षेत्र में नारी का सशक्त योगदान है. इतिहास पर गौर करें तो पार्वती के बिना तो शिव अधूरे हैं , द्रौपदी , कुंती , गांधारी का चरित्र ही महाभारत को कालजई बनाता है . नारी कमजोर नहीं , अबला नहीं – शक्ति का पर्याय है . देवासुर संग्राम में शुम्भ निशुम्भ , चंडमुंड , रक्तबीज , महिषासुर आदि आसुरी शक्तियों का विनाश दुर्गा ने किया . इसी तरह अरि ऋषि की पत्नी अनुसुइया ने सूखे शुष्क विन्ध्याचल को हरियाली से भर देने के लिए तपस्या की और चित्रकूट से मन्दाकिनी नदी को बहने हेतु विवश किया . आदि से आज तक सामाजिक कहें, देश की कहें – नारी का अदभुत योगदान रहा है .

(10)प्रश्न–– आज ऐसा माना जा रहा है कि हिंदी भाषा का अस्तित्व सकंट में है क्या आप इस बात से सहमत हैं ?

उत्तर–– हिंदी हमारे देश की भाषा , हमारा गौरव और वह सहज कड़ी जो दूर दूर तक आसानी से गंगा की निर्मल धारा सी बहती है. पर आज – हिंदी परोक्ष से अपना अस्तित्व ढूंढ रही है . हिंदी बोलना हमारी शान थी , हमारी पहचान थी , हमारी जुबां पर था –

हिंदी हैं हम
वतन है हिन्दुस्तां हमारा

बहुत दुःख होता है यह देखकर कि बड़े बड़े शहरों के मॉल में हिंदी की किताबें नहीं मिलतीं , न ही पत्रिकाएं उपलब्ध होती हैं . हिंदी की इस स्थिति की दयनीयता अपरिहार्य है !

(11)प्रश्न–– आप नवोदित लेखकों को क्या सन्देश देना चाहती हैं ?

उत्तर––नए कदम हमेशा नई उर्जा, नए सपनों से भरे होते हैं , उनसे बस इतना कहना चाहूँगी –

हवा के रुख को मोड़ने की चाह रखो
अपने अन्दर इतना विश्वास रखो
लोग तुम्हे भरमायेंगे
अनगिनत राह दिखायेंगे
चयन तुम्हारे हाथ है
अपने पर भरोसा करो–
आँखें बंद करो,
ईश्वर साथ हैं
तो डर किस बात पे है ?
किसी में इतनी ताकत नहीं कि
तुम्हारा हौसला ले ले
पंखों को खोलो
और आसमान को छू लो...

साक्षात्कारकर्ता–ड़ा प्रीत अरोड़ा

संक्षिप्त समाचार

बाइकर्स ने महिला से चेन और कुंडल लूटा

दादरी। गांव चक्रसेनपुर के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने रविवार शाम अन्य बाइक सवार दंपती से चेन, कुंडल व हार लूट लिया। पति ने शोर मचाना चाहा तो बदमाशों ने जान से मारने की धमकी दी और भाग निकले। पीड़ित ने कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

जारचा थाने के गांव छौलस की मैडया निवासी हरिराज रविवार की शाम पत्नी पूजा के साथ मोटरसाइकिल से ग्रेटर नोएडा से गाव जा रहा था। गांव चक्रसेनपुर के पास बाइक सवार तीन बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। दंपति कुछ समझ पाते, बदमाशों ने महिला के कानों से कुंडल, गले चेन, हार व अंगूठी लूट ली। दंपति ने शोर मचाना चाहा तो बदमाशों ने जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित ने घटना की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज करा दी है।

नेशनल प्रतियोगिता के लिए तीन बच्चे चयनित

ग्रेटर नोएडा। कोताका कप इंटरनेशन कराटे प्रतियो. गिता का 28 व 29 अप्रैल को दिल्ली के तालकटोरा स्टेडियम में आयोजित किया गया। प्रतियोगिता में समसारा स्कूल के बच्चों ने तीन गोल्ड व एक सिल्वर पदक जीता। प्रतियोगिता में अर्चिता पंत, मयंक जोशी व ज्योति वर्मा ने गोल्ड व समुदया ने सिल्वर पदक जीता। गोल्ड मेडल जीतने वाले बच्चों का चयन नेशनल प्रतियो. गिता में हुआ है। प्रतियोगिता मई में होगी। जीत पर स्कूल की प्रधानाचार्या अनुराधा चोपड़ा ने बच्चों को बधाई दी। 38वीं उत्तर प्रदेश राज्य ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए रॉयन स्कूल में चयन शिविर लगाया गया। जिले के स्कूलों से कुल चालीस बच्चों का चयन किया गया। सर्वाधिक तेरह बच्चे रॉयन इंटरनेशनल स्कूल ग्रेटर नोएडा के चुने गए। खेतान पब्लिक स्कूल से तीन, रॉयन स्कूल नोएडा से एक, ग्रेटर वैली स्कूल से एक, पंचशील बालक इंटर कॉलेज से दो, आदर्श ज्ञान स्कूल से एक, आएसएस इंटरनेशनल स्कूल से एक, बेबी पब्लिक स्कूल से एक, जिला ताइक्वांडो एसोशिएशन से तीन व बाल भारती पब्लिक स्कूल से एक छात्र का चयन हुआ। प्रतियोगिता का चयन तीन से छह अगस्त तक बनारस में किया जाएगा।

सेक्टर 62 में युवती से चेन स्नैचिंग

नोएडा। सेक्टर 62 में मोटरसाइकिल सवार बदमाश युवती से चेन छीनकर फरार हो गए। युवती से शोर भी मचाया, लेकिन कोई मदद के लिए नहीं आया। युवती के भाई की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

गाजियाबाद शिप्रा सनसिटी में जयेन्द्र रहते हैं। उनकी बहन सेक्टर–62 से घर जा रही थी। रास्ते में मोटरसाइकिल सवार दो बदमाश उसके गले से सोने की चेन छीन फरार हो गए। युवती ने शोर भी मचाया, लेकिन कोई मदद के लिए नहीं आया। युवती ने घटना की सूचना अपने भाई जयेंद्र को बताई। कोतवाली में जयेंद्र की शिकायत पर चेन छिनैती का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

फरार तीन बदमाशों पर इनाम घोषित

दादरी। जारचा थाना क्षेत्र में तीन सप्ताह पहले टेंपो चालक व उसके साथी से बदमाशों ने लूटपाट की थी। इस मामले में फरार तीन बदमाशों पर जिला पुलिस ने ढाई– ढाई हजार रुपये का इनाम घोषित किया है।

पुलिस ने बताया कि तीन सप्ताह पहले प्यावली निवासी कल्लू टेंपो में साथी के साथ अपने गांव जा रहा था।

गांव बिसाहड़ा के पास चार बदमाशों ने ढाई हजार रुपये की नकदी व मोबाइल लूट लिया था।

एक सप्ताह पहले पुलिस ने एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया था, जबकि नई बस्ती निवासी लाला, प्रदीप व भोला फरार चल रहे थे। तीनों बदमाश दादरी थाने के हिस्ट्रीशीटर हैं।

गिरफ्तारी नहीं होने पर जिला पुलिस ने तीनों पर ढाई ढाई हजार रुपये का इनाम घोषित किया है।

इनाम घोषित होने के बाद बदमाशों में हड़कंप मच गया है।

नोएडा के खिलाड़ी का चयन प्रदेश टीम में

नोएडा। नोएडा के फुटबॉल खिलाड़ी हेमंत रावत का चयन उत्तर प्रदेश टीम में हुआ है। वह पहली बार अंडर–14 टीम में शामिल हुआ है। सेक्टर–22 निवासी हेमंत एसीसी कांवेंट स्कूल में कक्षा नौ का छात्र है। मिडफील्ड प्लेयर के रूप में खेलने वाला हेमंत नोएडा स्टेडियम में फुटबॉल का प्रशिक्षण ले रहा है। अंडर–14 टीम में वह प्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए दो मई से जमशेदपुर में होने वाले मैनचेस्टर कप में शामिल होगा।

आधुनिकता के दौर में कम्प्यूटर शिक्षा बेहद जरूरी है : अतुल गर्ग

गाजियाबाद। गीतांजलि वेलफेयर एजुकेशनल समिति के सहयोग से काइट ई सेवा द्वारा संचालित निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण के बाद प्रमाण–पत्र वितरित किये गये। इस अवसर पर मुख्य अतिथि अतुल गर्ग ने कहा कि आधुनिकता के दौर में कम्प्यूटर शिक्षा बेहद जरूरी है। इस जरूरत को ध्यान में रखते हुए संस्थान द्वारा कम्प्यूटर प्रशिक्षण के बाद छात्रों को रोजगार दिलाने का प्रयास किया जाता है।बीएसएनएल के अधिकारी एमके सेठ ने कहा कि कम्प्यूटर शिक्षा और टेलीफोन एक दूसरे के पूरक हैं।

मानव जीवन को व्यवस्था, सुविधा और सरलता प्रदान करने में कम्प्यूटर का अहम स्थान है। क्योंकि हाथों से घंटों में पूरा होने वाला काम कम्प्यूटर सैकड़ों में पूरा कर देता है। समिति की सचिव वन्दना चौधरी ने लोगों को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर सतेन्द्र यादव, अजय पटेल, बी.सी. बंसल, सारिका खन्ना, निभा रावत, सतेन्द्र चौधरी, मनोज गोयल, प्राथ. मिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष दीपक शर्मा व उपाध्यक्ष अनुजा चौधरी भी उपस्थित थे।

अपहरण नहीं प्रेम का निकला मामला, महिला गिरफ्तार

गाजियाबाद। शनिवार सुबह स्कार्पियो सवार जिस युवती का अपहरण कर ले गये थे वास्तव में वह अपहरण नहीं था। यह बात पुलिस जांच के दौरान सामने आई है। पुलिस के मुताबिक युवती अपने मकान के सामने रहने वाले एक लड़के से प्यार करती थी। वही युवती को लेकर गया है। इस मामले में पुलिस ने युवती की पड़ोसी एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार की गयी महिला युवती व युवक के बीच मीडियेटर का रोल निभा रही थी और युवती को भगाने में भी उसी का हाथ है।

अब पुलिस युवक व युवती की सरगर्मी से तलाश कर रही है। जानकारी हो कि लोनी थाना क्षेत्र की अशोक विहार कालोनी निवासी एक युवती शनिवार को सुबह करीब 11 बजे अपनी भाभी के साथ सरकारी अस्पताल जा रही थी।

जैसे ही वह दोनों दिल्ली सहारनपुर मार्ग पर पहुंची थी तो कार सवार युवती को खींचकर ले गये थे। युवती की भाभी ने गाड़ी का पीछा भी किया था। महिला ने मामले की जानकारी पुलिस को दी थी। अपहरण की सूचना मिलने पर पुलिस के होश उड़ गये थे और अपहरणकर्ताओं की चौतरफा तलाश की गई थी लेकिन उनका कुछ पता नहीं चल सका। लोनी थाना प्रभारी बृजमोहन यादव ने बताया कि छानबीन में पता चला है कि युवती का अपहरण नहीं हुआ है बल्कि यह सोचा समझा मामला है। उन्होंने बताया कि मामले में युवती की पड़ोसन महिला मैसल पत्नी लईक को गिरफ्तार किया गया है।महिला ने बताया है कि युवती का उसके घर के सामने रहने वाले एक युवक से लम्बे समय से प्रेम प्रसंग चल रहा था। युवक पेंटिंग का काम करता है।

वह अक्सर दोनों की फोन पर बात करने के साथ–साथ मिलवा दिया करती थी। श्री यादव ने बताया कि लड़की को भगाने में भी महिला का हाथ है। मामले से और कौन–कौन जुड़ा है इसका तहकीकात के बाद ही पता चल सकेगा। फिलहाल प्रेमी जोड़े की तलाश की जा रही है।

इस कार से मुफ्त करिए सफर

दिल्ली। हम सभी कार में सफर करने का शौक रखतें है, लेकिन कभी–कभी पेट्रोल और डीजल की बढ़ती कीमत के कारण आप सभी के हौसलें भी पस्त हो जातें है। लेकिन यदि कोई ऐसी कार हो जो एक दिन में आपको लगभग 50 किलोमीटर तक का सफर कराये और बदले में आपकी जेब से एक रूपये भी खर्च न होने दे आपको कैसा लगेगा? निसंदेह आप जिंदगी भर इस कार से सफर करना पसंद करेंगे।

इस बार हम आपके लिए कुछ इसी तरह की एक कार लेकर आयें है जिसे किसी बड़ी कार निर्माता कंपनी ने नहीं बल्कि एक इंसान के जूनून और हौसलें ने तैयार किया है। इस व्यक्ति का नाम है सैयद मुजक्कीर अहमद, अहमद देश के आईटी हब कहे जाने वाले शहर बैंगलूरू में रहतें है। अहमद ने हाल ही में एक शानदार कार का निर्माण किया है जिसमें न तो पेट्रोल की जरूरत है न डीजल की बस इसे चाहिए सूर्य की रौशनी।

योग में ही नि. रोगी काया छिपी हैं : मंगल

गाजियाबाद। अखिल भारतीय योग संस्थान के वरिष्ठ सदस्य एवं योग गुरू रमेश मंगल ने कहा कि योग में ही निरोगी काया छिपी है। हमारे जीवन में स्वस्थ जीवन का विशेष महत्व होता हैं। हर नागरिक को जीवन में व्यायाम को अपना कर अपने शरीर को स्वस्थ रखना चाहिए। यह कथन उन्होंने प्रताप विहार स्थित लीला वती स्कूल के पास बने संस्थान के योग कार्यालय में लोगों को योग क्रियाएं सिखाते हुए कहे।

शिविर में मौजूद समाज सेवी एवं संस्थान के सदस्य देवेंद्र हितकारी ने कहा कि संस्थान द्वारा पिछले कई वर्शो से बच्चों और हर उम्र के नागरिकों को योग क्रियाएं सिखाई जा रही है। ताकि वह इन क्रियाओं को अपनाकर अपने जीवन को स्वस्थ बना सके। उन्होंने कहा कि अगर किसी व्यक्ति का शरीर स्वस्थ हैं तो उसकी दिन चर्या भी ठीक होगी। वह काम में भी अधिक मजबूत रहेंगे।

प्लास्टिक फैक्ट्री में आग से भीषण क्षति

नई दिल्ली। बाहरी दिल्ली के नरेला इलाके में देर रात एक प्लास्टिक फैक्ट्री में आग लगने से लाखों का माल जलकर खाक हो गया। इस घटना में किसी के हताहात होने की सूचना नहीं है। मौके पर पहुंचे दमकलकर्मियों ने करीब पांच घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

दमकल विभाग से मिली सूचना के मुताबिक नरेला औद्योगिक क्षेत्र में बनी एक प्ला. स्टिक फैक्ट्री में बीती रात करीब 12 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना के बाद दर्जनभर से ज्यादा दमकल के वाहनों को मौके पर भेजा गया। करीब पांच घंटे के अथक प्रयासों के बाद दमकलकर्मियों ने आग पर काबू पाया।

एक अधिकारी के अनुसार इस घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन लाखों के माल की हानी का अनुमान लगाया जा रहा है। घटना के वक्त केवल फैक्ट्री का गार्ड ही वहां मौजूद था। शुरुआती जांच के बाद आग का कारण शार्ट सर्किट माना जा रहा है।

दो चोरनी गिरफ्तार

गाजियाबाद। विजयनगर थाना क्षेत्र की एक दुकान से साड़ी चुरा रही दो महिलाओं को रंगे हाथों दबोच लिया गया और पुलिस के हवाले कर दिया गया। थाना प्रभारी राजेश द्विवेदी ने बताया कि पकड़ी गई चोरनियों के नाम आशा व पुश्पा है। यह दोनों त्रिलोकपुरी दिल्ली की रहने वाली है। दोनों महिलायें यहां शांति नगर में स्थित साड़ी की एक दुकान से साड़ी देखने के बहाने साड़ी चुरा रही थी। जिनको दुकान मालिक अजय कुमार ने पकड़ लिया।

दिल्ली व उत्तर प्रदेश से प्रकाशित
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र
हमारा मैट्रो
आवश्यकता है
दिल्ली व उत्तर प्रदेश से प्रकाशित हमारा मैट्रो के लिए हिंदी राज्यों से अनुभवी व प्रशिक्षु पत्रकारों की जरूरत है
J-6, Sector-11, Noida 201301 (U.P.
B-1422,Metro Press Building
New Ashok Nagar Delhi-96
Email:. hamarametro@gmail.com
www.hamarametro.com
Ph:.011-24564319,9811368383,9899198383